PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 234 ● भिलाई, गुरुवार 26 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

चिराग पासवान ने चाचा पारस के पैर छुए, बड़ी मां से गले मिल रो पड़े

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। चिराग पासवान खगड़िया के अलौली ब्लॉक में स्थित अपने पैतृक गांव शहरबन्नी पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपने दिवंगत चाचा अर्जुन पासवान को श्रद्धांजलि दी। यह अवसर बेहद गमगीन था, लेकिन इस मौके से सामने आई तस्वीरों ने बिहार की राजनीति में पासवान परिवार के संभावित मिलन को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है। शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचे चिराग ने न केवल अपने चाचा पशुपति कुमार पारस का आशीर्वाद लिया, बल्कि अपनी चाची को गले लगाते हुए उनकी आंखों से आंसू भी छलक पड़े। पार्टी और परिवार में आई ऐतिहासिक दरार के बाद यह दुर्लभ मौका था जब चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस एक ही छत के नीचे मौजूद थे। जैसे ही चिराग की नजर अपने चाचा पारस पर पड़ी, वह तुरंत आगे बढ़े और श्रद्धापूर्वक उनके पैर छुए।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, दूसरा धर्म अपनाने पर नहीं मिलेगा एससी दर्जा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, दूसरा धर्म अपनाने पर नहीं मिलेगा एससी दर्जानई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने धर्म परिवर्तन से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति अनुसूचित जाति (एससी) से संबंधित है और वह हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को अपनाता है, तो उसे अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं मिलेगा। यह फैसला जस्टिस पी. के. मिश्रा और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने सुनाया। अदालत ने कहा कि अनुसूचित जाति का दर्जा भारतीय संविधान के तहत केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों तक सीमित है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति ईसाई या किसी अन्य धर्म को अपनाता है और उसका सक्रिय रूप से पालन करता है, तो वह एससी श्रेणी के लाभों का हकदार नहीं रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस निर्णय में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पहले दिए गए फैसले को भी सही ठहराया। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि जो लोग ईसाई धर्म अपना लेते हैं।

गाजियाबाद जासूसी कांड में दिल्ली के शूटर समेत 3 और गिरफ्तार

साहिबाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके में सामने आए जासूसी मामले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और जांच एजेंसियों ने इस मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली का समीर उर्फ शूटर, शामली का समीर पठान और गाजियाबाद का शिवराज शामिल हैं।जांच में सामने आया है कि ये सभी आरोपी पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को संवेदनशील इलाकों के वीडियो और फोटो भेजते थे।

सर्वदलीय बैठक खत्म-सरकार को मिला विपक्ष का साथ

किरेन रिजिजू बोले-तेल की कोई कमी नहीं,हालात स्थिर

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक कर स्थिति पर गहन चर्चा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली। इस बैठक में सरकार ने साफसंदेश दिया कि देश में हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। बैठक का मकसद विपक्ष को मौजूदा स्थिति से अवगत कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता दिखाना था। बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े मंत्री मौजूद रहे, जिनमें अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण शामिल हैं। इसके अलावा जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल हुए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वैश्विक हालात और पश्चिम एशिया के संकट पर विस्तार से जानकारी दी। कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और बीजद के सस्मित पात्रा भी बैठक में मौजूद रहे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक में सभी दलों ने हिस्सा लिया और सरकार के साथ खड़े होने का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया गया और मौजूदा स्थिति पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। रिजिजू ने सभी दलों का धन्यवाद करते हुए कहा कि देशहित के मुद्दे पर राजनीतिक दलों ने एकजुटता दिखाई है और हालात के अनुसार सरकार जो भी

कदम उठाएगी, उसमें पूरा सहयोग मिलेगा। मंत्री ने आगे बताया कि सरकार की ओर से सभी सवालों और जो भी भ्रम थे, उन्हें पूरी तरह स्पष्ट कर दिया गया है। बैठक के अंत में विपक्षी दलों ने कहा कि वे सरकार द्वारा इस सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में सभी को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भी संसद के माध्यम से अपील की है कि किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारतीय संसद को एक साथ खड़ा होना चाहिए। मुझे लगता है कि विपक्ष ने परिपक्वता दिखाते हुए कहा कि वे सरकार द्वारा उठाए गए हर कदम के साथ खड़े रहेंगे। कई सदस्यों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गैस और पेट्रोलियम सप्लाई के बारे में जानकारी मांगी थी और वे इस बात से संतुष्ट हैं कि भारत ने पहले ही चार जहाज सुरक्षित कर लिए हैं। रिजिजू ने आगे कहा कि सभी ने अपनी-अपनी पार्टियों की ओर से जानकारी साझा की और चिंताएं व्यक्त कीं। विपक्ष के सदस्यों ने ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष का भारत पर क्या असर पड़ेगा और सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए क्या कदम उठाए हैं, इस पर कई सवाल पूछे। सरकार ने इन सभी सवालों के व्यापक और स्पष्ट जवाब दिए। मैं यह कहकर संतुष्ट हूं कि सरकार ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया है।

सरकार ने विपक्ष को क्या जानकारी दी और क्या सवाल उठे?

बैठक में सरकार ने विपक्ष को मौजूदा हालात की पूरी जानकारी दी और उनके सवालों का जवाब भी दिया। विपक्ष ने सुरक्षा, तेल आपूर्ति और विदेश नीति को लेकर सवाल उठाए, जिन पर सरकार ने भरोसा दिलाया कि सभी पहलुओं पर नजर रखी जा रही है। सरकार ने कहा कि हर कदम सोच-समझकर उठाया जा रहा है। सरकार ने साफकहा कि वैश्विक हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जाएंगे। साथ ही आम लोगों से अपील की गई कि वे किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और घबराएं नहीं। सरकार का कहना है कि देश पूरी तरह तैयार है और किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है।

अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित

रामनवमी पर दो दिन का अवकाश-सीएम योगी.....

लखनऊ। रामनवमी पर योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पहले से घोषित 26 मार्च के सार्वजनिक अवकाश के साथ अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। मंदिरों में रामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। हर साल इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं, जिससे व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे में अतिरिक्त अवकाश से लोगों को सुविधा मिलेगी और भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निर्णय के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार आस्था और परंपराओं के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन को भी निर्देश दिए गए हैं कि सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। लगातार दो दिन की छुट्टी से श्रद्धालुओं को न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, बल्कि यात्रा और दर्शन भी अधिक सहज हो सकेंगे।

जग्गी हत्याकांड

एक अप्रैल को हाईकोर्ट में अंतिम सुनवाई,कोर्ट के निर्णय से तय होगी अमित जोगी की किस्मत

बिलासपुर। एनसीपी के नेता रहे रामअवतार जग्गी हत्याकांड की फाइल एक बार फिर खुल गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में सुनवाई प्रारंभ हो गई है। चीफजस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने सतीश जग्गी व जग्गी हत्याकांड के आरोपी अमित जोगी को नोटिस जारी कर अपने वकील के साथ कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। नोटिस की तामिली की जिम्मेदारी रायपुर एसपी को दी गई है। तामिली के बाद एसपी को शपथ पत्र पेश करते हुए जानकारी देनी होगी। याचिकाकर्ता सतीश जग्गी के अधिवक्ता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले को पुनर्विचार के लिए वापस छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट भेज दिया है। सीबीआई की ओर से उपस्थित अधिवक्ता वैभव ए. गोवर्धन और राज्य की ओर से उपस्थित उप महाधिवक्ता डॉ. सौरभ पांडे ने संयुक्त रूप से निवेदन किया कि राज्य ने 31 मई 2007 को आवेदन पेश कर निचली अदालत द्वारा पारित बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करने की अनुमति मांगी थी। उक्त आवेदन को इस न्यायालय की पीठ ने 18 अगस्त 2011 को इस आधार पर खारिज कर दिया था, सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे मामले में राज्य द्वारा दायर अपील की अनुमति के लिए आवेदन स्वीकार्य नहीं है। सीबीआई ने याचिका दायर कर 31 मई

2007 के फैसले और आदेश को चुनौती दी थी। हालांकि, इस न्यायालय की समन्वय पीठ ने 12 सितंबर 2011 के आदेश द्वारा विलंब के आधार पर इसे खारिज कर दिया था। इसके अतिरिक्त, अमित जोगी की बरी होने को चुनौती देने के लिए पुनरीक्षण याचिका को आपराधिक अपील में परिवर्तित करने की मांग करते हुए शिकायतकर्ता सतीश जग्गी द्वारा दायर याचिका को भी 19 सितंबर 2011 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था।हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सतीश जग्गी व सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। 18 अगस्त 2011, 12 सितंबर ,2011 और 19 सितंबर 2011 के हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफसतीश जग्गी व सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी।याचिका की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 06 नवंबर 2025 के आदेश के परिप्रेक्ष्य में याचिका दायर करने में हुई देरी को क्षमा कर दिया गया है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मिली अग्रिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मीडिया में नहीं देंगे कोई साक्षात्कार

प्रयागराज/ एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके सहयोगी मुकुंदानंद गिरी को यौन शोषण मामले में अग्रिम जमानत दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने आवेदकों, पीड़ितों और शिकायतकर्ता तीनों पक्षों को इस मामले के लंबित रहने तक मीडिया में कोई भी साक्षात्कार देने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकलपीठ ने दिया है। स्वामी आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य और

मुकुंदानंद के खिलाफयौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग में बीएनएसएस की धारा 173 (4) के तहत विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) के समक्ष आवेदन किया था। आरोप था कि जनवरी 2025 (महाकुंभ) से फरवरी 2026 (माघ मेला) के बीच प्रयागराज में दो किशोरों के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। विशेष न्यायाधीश के आदेश पर झूंसी थाने में विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में शंकराचार्य व अन्य ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत अर्जी दायर की थी।याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि यह प्राथमिकी केवल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की छवि खराब करने के उद्देश्य से दर्ज कराई गई है। पीड़ितों का उनके आश्रम या स्कूल से कभी कोई संबंध नहीं रहा।

ऑटोमोबाइल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर, वैष्णव बोले वैगन की डिजाइन बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। रेलवे सुधारों पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑटोमोबाइल परिवहन को लेकर अहम जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद रेलवे की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। वैष्णव ने बताया कि ऑटोमोबाइल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए यात्री कोचों को एनएमजी (न्यू मॉडिफाइड गुड्स) वैगनों में बदला गया और कई नई पहलें भी शुरू की गईं। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद जब उद्योग से फीडबैक लिया गया तो सामने आया।

वित्त विधेयक लोकसभा से पारित

निर्मला सीतारमण बोलीं-भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में 32 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद पारित हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सुधार किसी मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और

लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस भरोसे पर आधारित टैक्स सिस्टम बनाने पर है, जिसके तहत ईमानदार करदाताओं के लिए परेशानियां कम की जा रही हैं। टैक्स प्रशासन को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वित्त मंत्री ने आम लोगों को राहत देने के लिए 17 जरूरी जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने का भी एलान किया। इससे इन दवाओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है और मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा। छोटे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। अब कम या शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट पाने के लिए नियम आधारित ऑटोमेटेड ऑनलाइन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे समय और जटिलता दोनों कम होंगे। इसके अलावा, सीतारमण ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा वसूले गए सेस और सरचार्ज से अधिक राशि राज्यों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत खर्च की जा रही है।

किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों की नवरात्रि भी हुई समृद्ध

प्रदेश के 4.95 लाख से अधिक भूमिहीन कृषकों के खातों में 495 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित-सीएम विष्णुदेव साय.....

- सुशासन सरकार की सतत पहल से किसान, मजदूर और महिलाओं को मिल रहा मजबूत आर्थिक संबल

रायपुर/ संवाददाता

किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी यह नवरात्रि समृद्धि और आत्मविश्वास का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की योजनाएं अब सीधे जनजीवन में परिवर्तन का आधार बनती दिख रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बलौदा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि श्रम और सम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री

नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को सरकार द्वारा तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि धान खरीदी में अंतर की राशि मिलने से किसानों ने इस वर्ष उत्साह और संतोष के साथ होली मनाई, वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिली राशि ने उनके आत्मनिर्भरता के संकल्प को और मजबूत किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराते हुए मकानों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 18 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का नया अध्याय जुड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बलौदाबाजार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए बाबा गुरु घासीदास, संत कबीर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि भूमिहीन कृषि मजदूरों को दी जा रही है, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा और छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से किए गए वादे के अनुरूप 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है।

कवर्धा सरस मेला का भव्य आगाज

11.43 करोड़ की सौगात के साथ महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का नया संबल

बेमेतरा। विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के सरदार पटेल मैदान में आयोजित चार दिवसीय संभागीय सरस मेला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला स्व सहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत 11.43 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करते हुए उनके आजीविका संवर्धन को मजबूती प्रदान की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला महिला समूहों को उद्यमिता की पहचान दिलाने का प्रभावी मंच है, जहां उनके द्वारा तैयार किए गए जैविक खाद्य पदार्थ, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और हस्तशिल्प उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। उन्होंने स्टालों का निरीक्षण कर समूह की महिलाओं से संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में लाखों महिलाएं स्व सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी दौरान 10 महिला समूहों को आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत टाटा मैजिक वाहन भी प्रदान किए गए, जिससे महिलाएं परिवहन व्यवसाय से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकेंगी। यह पहल खासकर ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में यातायात सुविधा को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की तैयारी भी की जा रही है। यह मेला 23 से 26 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें दुर्ग संभाग के विभिन्न जिलों के महिला समूह भाग ले रहे हैं।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 44 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ममगाईं ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा में महिला दिवस सम्मान समारोह

बेमेतरा। नवरात्रि के पावन एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बेमेतरा द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में नारी शक्ति के योगदान को सम्मानित करना तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू, विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा बेमेतरा प्रज्ञा निर्वाणी, एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता भाग्यश्री पोल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। दीप प्रज्वलन के इस पावन क्षण में उपस्थित सभी अतिथियों ने ज्ञान, शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा के प्रसार का संदेश दिया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र की प्रभारी शशि दीदी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। दीप प्रज्वलन के साथ ही पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता और उत्साह का संचार हुआ तथा कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में हुआ। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की शक्ति और संस्कारों की जननी है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र सशक्त बनेगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रसार की सराहना करते हुए कहा कि नारी शक्ति ही समाज की असली ताकत है और महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि महिलाओं को सम्मान देना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं–चाहे वह शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन या न्याय का क्षेत्र हो। नवरात्रि के इस पावन पर्व में नारी शक्ति की आराधना के साथ इस प्रकार का सम्मान समारोह अत्यंत सार्थक एवं प्रेरणादायी है। महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने नवरात्रि के पावन

अवसर को नारी शक्ति की उपासना का प्रतीक बताते हुए इस आयोजन को अत्यंत सार्थक बताया।

नवरात्रि में आयोजित महिला दिवस सम्मान कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र की प्रभारी शशि दीदी ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि नारी केवल एक शरीर नहीं, बल्कि ईश्वर की दिव्य शक्ति का सजीव स्वरूप है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का यह पावन पर्व हमें याद दिलाता है कि हर नारी के भीतर माँ दुर्गा की अपार शक्तियाँ विद्यमान हैं–बस आवश्यकता है उन्हें पहचानने और जागृत करने की। शशि दीदी ने अत्यंत भावुकता के साथ कहा कि जब एक नारी अपने आत्मस्वरूप को पहचान लेती है, अपने भीतर की शांति, प्रेम और शक्ति को अनुभव करती है, तब वह केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के भाग्य को बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि आज की नारी को बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने अंदर की कमजोरियों से जीत हासिल करनी है। जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा बेमेतरा श्रीमती प्रज्ञा निर्वाणी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक अत्यंत प्रेरणादायक कविता की पंक्तियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह में उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि आज की नारी को निराशा और सीमाओं से बाहर निकलकर अपनी वास्तविक पहचान को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा –तू खुद की खोज में निकल, तू किस लिए हताश है? तू चल, तेरे वजूद की समय को भी तलाश है।

राजा ऐसा हो जहां जनता सुख शांति भय मुक्त जिएं : शास्त्री

बेमेतरा। चैत्र शुक्ल वासंत नवरात्र के पावन पर्व मे ग्राम मजगांव बेमेतरा मे आयोजित कथा प्रसंग में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री जी महाराज ने अपने मुखारविंद से भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में लोगों को कथा सुनाते हुए महत्व बताया। वृंदावन धाम में नंद उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने दही, मक्खन लूट महिला और पुरुषों ने प्रभु के जन्म अवसर पर नाच कर भक्ति रस पाने का प्रयास किया। शास्त्री ने कहा कि राजा ऐसा होना चाहिए जिससे राज्य सुख शांति और भय मुक्त जीवन व्यतीत करें। ऐसे राजाओं को स्वर्ग में जगह मिलता है। लेकिन भारत के अनेक राजाओं ने अपनी कार्यप्रणाली ऐसी रखी है। कि इंद्रदेव को भी अपनी गद्दी उनके लिए समय-समय पर त्यागि पड़ी आज के राजा सत्ता सीन लोग अपनी गद्दी बचाने तरह-तरह के कार्य कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि यदि लोग गौ माता का संरक्षण नहीं करेंगे। मान कर चलिए गाय की

विलुप्त मानव समाज को निकल जाएगी। जो लोग गौ माता का आदर करते हैं। और उनकी सेवा करते हैं। उनके घर भगवान स्वयं पुत्र बनकर अवतरित होते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नंद बाबा है। राज धर्म के बारे में बताते हुए महाराज ने कहा कि भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में महत्व बहुत है। आचार्य शास्त्री कथा भाग के पंचम दिवस की कथा सुनाएं कहां की भागवत कथा आयोजन कोई मनोरंजन की वस्तु नहीं है ,यह मोक्ष और ईश्वर प्राप्ति का साधन है। लेकिन आजकल श्रीमद् भागवत जैसे पुण्य ग्रंथ को मनोरंजन का साधन बना दिये है । व्यास पीठ के महत्व नहीं समझ पा रहे है। भागवत श्रद्धा का विषय है। इसे शुद्ध हृदय से सांसारिक बंधनों को छोड़कर सुनना चाहिए उन्होंने आगे कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को सुनने और सुनने वाले दोनों को इसके प्रति अटूट आस्था और प्रेम होना चाहिए। तभी आयोजन की सार्थकता है। व्यास जी कथा वाचक ने कहा कि हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने की आवश्यकता है एवं सप्ताह में एक दिन सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ हो कथा के बीच मे वृंदावन धाम मे नन्द उत्सव भी धूमधाम से मनायागया इस मौके पर बच्चो ने दही मक्खन लूटकर भगवान श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव मनाया पंजीरी, पंचामृत ,माखन मिश्री,का प्रसाद बाटी गई उत्सव के पश्चात भगवान की महा आरती की गई।

बकाया कर जमा नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

31 मार्च के बाद 17% अधिभार के साथ होगी वसूली

बेमेतरा। वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में नगर निगम दुर्ग द्वारा संपत्तिकर एवं अन्य करों की वसूली को लेकर सख्ती बरतने की तैयारी शुरू कर दी गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लंबे समय से कर राशि जमा नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि वे 31 मार्च से पहले अपने सभी बकाया करों का भुगतान कर दें, ताकि किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि निर्धारित तिथि के बाद बकाया करों की वसूली 17 प्रतिशत अधिभार के साथ की जाएगी। करदाताओं की सुविधा को

ध्यान में रखते हुए नगर निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर एवं सभी जोन कार्यालयों के काउंटर 31 मार्च तक शनिवार और रविवार को भी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। इसके साथ ही निगम द्वारा ऑनलाइन संपत्तिकर भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे नागरिक घर बैठे आसानी से अपना कर जमा कर सकते हैं।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक

बेमेतरा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला स्वास्थ्य समिति की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। यह बैठक पहले जारी निर्देशों की प्रगति की समीक्षा तथा जमीनी स्तर पर कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत आंकड़ों के साथ विश्लेषण किया गया। बैठक में कलेक्टर ने आधार आधारित उपस्थिति, गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन, समय पर जांच और संस्थागत प्रसव को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गर्भवती महिलाओं का प्रारंभिक पंजीयन समय पर होना चाहिए और उनकी सभी निर्धारित जांच पूरी कराई

जाए। साथ ही हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में दर्ज गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और कुपोषित बच्चों की जानकारी का रिकॉर्ड स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलान किया जाए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। साथ ही सुपोषण अभियान, पोषण पुनर्वास, टीकाकरण सत्रों की नियमितता और संयुक्त फील्ड विजिट को भी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।मलेरिया, टीबी, कुष्ठ, एनसीडी और एचआईवी जांच की भी समीक्षा-बैठक में मलेरिया, कुष्ठ, टीबी, टीकाकरण, एनसीडी (नॉन कम्युनिकेबल डिजीज), एचआईवी जांच सहित अन्य प्रमुख स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए और हर विकासखंड स्तर पर सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, पर्याप्त भंडारण और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। लापरवाही पर कार्रवाई की दी चेतावनी-कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या लक्ष्य पूर्ति में शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों (बीएमओ) को निर्देशित किया कि वे विकासखंडवार प्रगति की नियमित समीक्षा करें और जमीनी स्तर पर कार्यों की मॉनिटरिंग बढ़ाएं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर- बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण पुनर्वास, सुपोषण अभियान, हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की ट्रैकिंग, टीकाकरण और आंगनबाड़ी-स्वास्थ्य अमले के संयुक्त कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग का बेहतर समन्वय ही मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सभी जिला नोडल अधिकारी, सभी बीएमओ, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तथा संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अंत में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और जिले को स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में मॉडल जिला बनाने की दिशा में कार्य किया जाए।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

बेमेतरा। विश्व क्षयरोग (टीबी) दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय एमसीएच बेमेतरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में क्षयरोग (टीबी) के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में जिला नगर अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं वार्ड पार्षद की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर टीबी रोग के लक्षण, बचाव के उपाय, समय पर जांच और नियमित उपचार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही टीबी के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने और मरीजों को समय पर इलाज के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का

शुभारंभ जिला नगर अध्यक्ष विजय सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से टीबी मरीजों की पहचान, समय पर जांच, उपचार और फॉलोअप पर विशेष जोर दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सरकार का लक्ष्य देश को टीबी मुक्त बनाने का है और इसके लिए जनसहभागिता बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर शहरी एवं ग्रामीण मितानिन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े सभी कर्मचारी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए सामूहिक रूप से शपथ भी ली और लोगों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। इस वर्ष विश्व क्षयरोग (टीबी) दिवस की थीम हाँ! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं: देश के नेतृत्व में, लोगों द्वारा संचालित रखी गई है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार खांसी, वजन कम होना, बुखार या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच कराएं और समय पर उपचार लेकर टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दें।

सुशासन की नई पहल से अब गांवों में ही होगा समस्याओं का निदान

बेमेतरा। ग्रामीण प्रशासन को अधिक जनोन्मुख, पारदर्शी और संवेदनशील बनाने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस पहल के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में 'ग्रामीण सचिवालय' और जनपद पंचायत स्तर पर 'खण्ड सचिवालय' की स्थापना की जा रही है, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सके। यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2004 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप पुनः प्रभावी की गई है। ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाले ग्रामीण सचिवालय के लिए सप्ताह के विभिन्न दिन जैसे सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार निर्धारित किए गए हैं। इन सचिवालयों में 11 महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है, जिनमें ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, लाइनमेन, पंप मैकेनिक, सहकारिता समिति सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रधान पाठक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक शामिल हैं। इसी क्रम में जनपद स्तर पर खण्ड सचिवालय की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। जनपद पंचायत दुर्ग में खण्ड सचिवालय का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को जनपद पंचायत भवन दुर्ग में किया जाएगा। जनपद पंचायत धमधा के लिए प्रत्येक माह का प्रथम एवं तृतीय सोमवार निर्धारित किया गया है और इसका आयोजन जनपद पंचायत भवन धमधा में होगा। वहीं, जनपद पंचायत पाटन में यह आयोजन माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को जनपद पंचायत भवन पाटन में संपन्न होगा।

संक्षिप्त समाचार

मासूम से मारपीट का वीडियो वायरल, सुरक्षा गार्ड पर गंभीर आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में एक मासूम बच्चे के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक सीमेंट कंपनी में तैनात सुरक्षा गार्ड बच्चे को उठाकर जमीन पर पटकता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश है। घटना के बाद घायल बच्चे के परिजन कोतवाली थाना पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे की बताई जा रही है। पीड़ित के बड़े भाई कार्तिक साहू ने बताया कि उसका छोटा भाई आम तोड़ रहा था, तभी कंपनी के गार्ड ने उसे पकड़कर बेरहमी से जमीन पर पटक दिया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद उन्हें शिकायत दर्ज न कराने के लिए धमकाया भी गया, जिससे वे पहले डरे हुए थे। हालांकि बाद में उन्होंने हिम्मत जुटाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

चोरी के शक पर युवक की बेरहमी से पिटाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जिले में चोरी के संदेह में एक युवक के साथ ग्रामीणों द्वारा अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तीन ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के कोरंधा निवासी श्रीकांत सिंह शनिवार को करीब 8 किलोमीटर दूर ग्राम धारानगर गया था। आरोप है कि उसने किसान परशु मिंज के सूने घर में घुसकर सरसों से भरी एक छोटी बोरी और 300 रुपए नकद चोरी कर ली। उस समय घर के लोग महुआ बीनने बाहर गए हुए थे। बताया जा रहा है कि श्रीकांत खिड़की तोड़कर घर में घुसा और सामान लेकर बाइक तक पहुंचा। इसी दौरान ग्रामीणों को उस पर शक हुआ और उन्होंने उसे रोककर पूछताछ की। संतोषजनक जवाब न मिलने पर ग्रामीणों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के दौरान युवक को अर्धनग्न कर दिया गया, उसके कपड़े फाड़े गए और सिर के आधे बाल काट दिए गए। ग्रामीणों ने पाइप के टुकड़े से भी उसे पीटा। बाद में युवक ने चोरी की बात स्वीकार कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर श्रीकांत के पिता मौके पर पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों ने उनके साथ भी मारपीट की। पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर शंकरगढ़ थाना पुलिस ने तीन नामजद ग्रामीणों समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सरपंच विवाद में परिवार के 'अपहरण' का आरोप, पुलिस ने किया खारिज

रायपुर। जिले के रजगामार चैकी क्षेत्र के ग्राम करूमौहा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक परिवार ने अपने बेटे, बहू और पोता-पोती के अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ग्वाल राम यादव ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत की वर्तमान सरपंच और उनके सहयोगियों ने उनके परिवार को बहला-फुसलाकर अपने कब्जे में रखा है। शिकायत में बताया गया कि उनकी बहू निर्मला, जो वार्ड नंबर 4 की निर्वाचित पंच हैं, सरपंच के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में शामिल थीं।

एमसीबी जिले से टीबी मुक्त भारत अभियान

सब मिलकर बनाएं टीबी मुक्त भारत-स्वास्थ्य मंत्री बिहारी जायसवाल

- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी बोले - जनभागीदारी से ही होगा टीबी का अंत
- प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने में जनता की भूमिका सबसे अहम

रायपुर/ संवाददाता

विश्व क्षय दिवस के अवसर पर पूरे देश के साथ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में भी टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान की शुरुआत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा द्वारा नोएडा से वर्चुअल माध्यम से की गई, वहीं छत्तीसगढ़ में इसका राज्य स्तरीय शुभारंभ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से होना अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण बन गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि 24 मार्च का दिन ऐतिहासिक महत्व रखता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टीबी मुक्त भारत का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर 2024 से 24 मार्च 2025 तक चले अभियान में 4113 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की 118 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को उत्कृष्ट कार्य के लिए गांधी जी की प्रतिमा एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि स्वास्थ्य सेवाएं अब गांव-गांव तक पहुंचेंगी। आयुष्मान स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों की जांच की जाएगी, जिसमें रक्त जांच के साथ हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से मौके पर ही छाती का एक्स-रे किया जाएगा। आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की मदद से मात्र 5 से 10 मिनट में रिपोर्ट उपलब्ध होगी, जिससे शुरुआती स्तर पर ही टीबी की

पहचान संभव हो सकेगी। वर्तमान में जिले में 203 टीबी मरीज उपचाररत हैं, जिनमें 7 एमडीआर और 4 टीबी संक्रमण के मरीज शामिल हैं। सभी मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा 1000 रुपये प्रतिमाह (6 माह तक) तथा राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 200 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। वहीं वर्ष 2025-26 में 205 निक्षय मित्रों द्वारा 283 मरीजों को गोद लेकर पोषण आहार उपलब्ध कराया गया है। साथ ही जिले में 3 टर्रू-नेट मशीन, 5 सामान्य एक्स-रे मशीन और 1 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच कार्य संचालित किया जा रहा है। अभियान को चार चरणों में संचालित किया जाएगा, जिसमें पहले चरण में घर-घर सर्वे कर संभावित मरीजों की पहचान की जाएगी। इसके बाद हाई रिस्क क्षेत्रों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जिलेभर में अभियान का प्रचार-प्रसार करेगा। कार्यक्रम में चंपा देवी पावले, महापौर रामनरेश राय, सभापति संतोष सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, एमआईसी सदस्य नीलम सलूजा, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर, राम लखन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में संकल्प लिया कि हम सब ने ठाना है, छत्तीसगढ़ से टीबी को भगाना है। टीबी हारेगा, देश जीतेगा।

स्मृति पुस्तकालय योजना को मिल रहा है सहयोग

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं।इसी क्रम में आज संयुक्त संचालक (वित्त) श्री बी के नायक ने क्रिक रीवीज़न एवं करंट अफेयर (वार्षिक) की 50 से अधिक पुस्तकें जिला प्रशासन को दान कीं।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।श्री नायक ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने पुस्तक दान का निर्णय लिया। उन्हें खुशी है कि इन पुस्तकों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत अब तक 10 हजार पांच सौ से अधिक पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का लाभ लेकर अनेक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दे रहे हैं।जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस पुनीत पहल से जुड़कर ज्ञान के दान में भागीदार बनें।

कांग्रेसी ही नशे के नाम पर कर रहे हैं सियासत-डॉ. विजय शंकर मिश्रा.....

- भाजपा प्रदेश मिश्रा ने किया भूपेश और बैज के बेबुनियाद बयान पर पलटवार

रायपुर। संवाददाता

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने नशे के अवैध कारोबार को किस तरह से छत्तीसगढ़ में फैलाया था वह किसी से छिपा नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अवैध शराब की बिक्री को लेकर पूरे देश दुनिया में प्रसिध्द है और जब यह कारोबार छत्तीसगढ़ में कथित तौर फैल रहा था उस समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज भी मौन थे। अब जब पूरे प्रदेश में नशे के खिलाफ मुहिम चलाया जा रहा है तब कांग्रेसी नेता बेबुनियाद सियासत करके अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रहे है और उनके मनोबल को मजबूत करने में जुटे हुए है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नशे के खिलाफप्रदेश व्यापी अभियान चलाने का लगातार निर्देश दे रहें है। यही कारण है कि नशे के कारोबार से जुड़े लोगों पर सख्त कार्यवाही हो रही है और कांग्रेस के लोगों को यह रास नही आ रही है। कांग्रेसी लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस विषय पर भ्रम फैलाने में लगे हुई है। प्रदेश की विष्णुदेव साय जी की सरकार नशे से कारोबार से जुड़े लोगों पर तत्काल कार्यवाही कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वातावरण को फिर से शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रदेश की साय सरकार हर संभव प्रयास कर रही है और नशे के कारोबार से जुड़े असमाजिक तत्वों को सलाखों के पीछे भेज रही है। 2018 से 2023 तक पूर्व की कांग्रेस सरकार में मिले छूट एवं संरक्षण का लाभ लेते हुए नशे से जुड़े लोग छत्तीसगढ़ की छवि को खराब करने का काम करते रहे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री मिश्रा ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में भारत को नशा मुक्त करने का अभियान चलाया जा रहा है।

कल्याणकारी योजनाओं से संवर रहा तनीषा ठाकुर का भविष्य

- बास्तानार के श्रमिक किरण ठाकुर की प्रेरक कहानी

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की अलख जगाने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संबल देने की शासन की मंशा अब धरातल पर रंग लाती दिख रही है। बस्तर जिले के विकासखण्ड बास्तानार के ग्राम तुरांगुर निवासी किरण ठाकुर की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ सरकारी सहायता ने एक पिता के अपनी बेटी को पढ़ाने के संकल्प को नई उड़ान दी है। पंजीकृत निर्माण श्रमिक के रूप में कार्यरत किरण ठाकुर अपनी सुपुत्री तनीषा ठाकुर को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए प्रयासरत थे, जो वर्तमान में कक्षा 9वीं में अध्ययनरत है। इसी दौरान उन्हें अपने एक मित्र के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। शिक्षा के प्रति जागरूक किरण ने बिना देर किए आवश्यक दस्तावेजों के साथ श्रम संसाधन केंद्र में आवेदन किया, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आए।डीबीटी के माध्यम से किरण ठाकुर के बैंक खाते में मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 3,000 रुपये की सहायता राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इतना ही नहीं, उन्हें निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक-कॉपी सहायता योजना का भी लाभ मिला, जिसके तहत 2,000 रुपये की अतिरिक्त राशि प्राप्त हुई। कुल 5,000 रुपये की इस आर्थिक सहायता ने तनीषा की पढ़ाई की राह में आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर कर दिया है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए किरण ठाकुर बताते हैं कि श्रम विभाग द्वारा संचालित ये योजनाएं उनके जैसे हजारों पंजीकृत श्रमिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। वे कहते हैं कि इन कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता से अब गरीब तबके के बच्चों की शिक्षा में पैसों की कमी आड़े नहीं आएगी। किरण ठाकुर की यह सफलता की कहानी आज क्षेत्र के अन्य श्रमिकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है, जो अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य का सपना देख रहे हैं।

कार्यकर्ताओं को दक्ष,प्रवीण बनाना प्रशिक्षण का उद्देश्य-किरण सिंह देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी बड़ी गंभीरता से अपने कार्यकर्ताओं को तराशने, निखारने, प्रवीण व मुखर बनाने के उद्देश्य से निरंतर प्रशिक्षण कार्यशाला लगा रही है। जिसमें संगठन के शीर्षस्थ पदाधिकारी सम्मिलित होकर कार्यकर्ताओं को भाजपा के नीति, सिद्धांत, कार्य पद्धति व जनसेवा कार्य के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा हैं। आज सोमवार को ग्राम आसना में आयोजित सरगीपाल व बकावण्ड मण्डल की प्रशिक्षण कार्यशाला भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष रूप से सात प्रमुख विषयों का चयन किया गया है।

भाजपा कार्यकर्ता हमेशा कर्मठ, निष्ठावान व परिश्रमी होते हैं। प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से उन्हें और दक्ष व प्रवीण बनाना उद्देश्य है, जिससे वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और भाजपा की नीतियों को प्रभारी ढंग से पहुंचा सके। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाटिया ने कहा कि देवतुल्य कार्यकर्ता ही भाजपा की पूंजी है। प्रशिक्षण वर्ग अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। भाजपा जिलाअध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने भी संबोधन दिया। कार्यशाला का संचालन सरगीपाल मण्डल महामंत्री संतोष बिसाई ने किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से सांसद महेश कश्यप, बेवरेज कार्पोरेशन अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप ,डा सुभाऊ कश्यप, शेष नारायण तिवारी,प्रदेश प्रवक्ता टेकेश्वर जैन, श्रीनिवास मिश्रा, खेमसिंह देवांगन, रामाश्रय सिंह, रजनीश पाणिग्रही,परीस बेसरा,आर्येंद्र आर्य, नरसिंह राव, ललिता बघेल, प्रदीप देवांगन, सुब्रतो विश्वास, फूलसिंह सेठिया, रोहित त्रिवेदी, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, अभिलाष यादव, माहेश्वरी ठाकुर।

ऊंचाई से गिरकर सात साल के बच्चे की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के नेवारिकला गांव में दूसरी कक्षा का सात वर्षीय छात्र हर्ष कुमार साहू पतंग उड़ाते समय 30 फीट की ऊंचाई से गिर गया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह लगभग 10 बजे हर्ष कुमार साहू घर से स्कूल जाने के लिए निकला। वह अपने दोस्तों के साथ पतंग उड़ाने के लिए पड़ोसी वासुदेव के घर की दूसरी मंजिल की छत पर चढ़ गया। बच्चों की खेल-खेल में पतंग उड़ाने की गतिविधि के दौरान छत पर बाउंड्री वाल नहीं होने के कारण हर्ष का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे करीब 30 फीट की ऊंचाई से गिर पड़ा। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और हर्ष के परिजनों को तुरंत सूचना दी। परिजन तत्काल निजी वाहन से उसे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, हर्ष कुमार साहू अपने परिवार में दो बहनों के बीच सबसे छोटा और इकलौता भाई था। उसके पिता संजय कुमार साहू बालोद शहर के एक गैरेज में काम करते हैं और हादसे के समय काम पर ही थे। बताया गया कि हर्ष ने काम पर जाने से पहले अपने पिता से स्कूल जाने के लिए पैसे लिए थे। पिता हर्ष की मौत की खबर सुनकर बिलखते रहे। हादसे के बाद उनकी मां की हालत भी बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं। वहीं दादा, चाचा और अन्य परिजन भी रो-रोकर बुरे हालात में थे।

वन मंत्री कश्यप ने मुरकुची और पखना कोंगेरा में दी विकास कार्यों की सौगात

बस्तर का समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता-मंत्री केदार

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने विकास की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि बस्तर का समग्र विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर उतारना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की राह में आने वाली हर बाधा को दूर करना उनका लक्ष्य है। मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बस्तर विकासखंड में विकास की नई इबारत लिखी। उन्होंने क्षेत्र के सघन दौरे के दौरान मुरकुची और पखना कोंगेरा में आयोजित भव्य कार्यक्रमों मंस शिरकत की, जहाँ उन्होंने विधायक निधि से स्वीकृत कुल 56 लाख रूपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर ग्रामीणों को बड़ी सौगात दी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 10 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर आवागमन और सामुदायिक सुविधाओं में व्यापक सुधार सुनिश्चित होगा। जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलियाओं का निर्माण केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं है, बल्कि यह गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली जीवनरेखा है। उन्होंने पूर्ववर्ती कठिनाईयों का स्मरण कराते हुए कहा कि बरसात के दिनों में छोटे-छोटे नालों के उफान पर होने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर स्कूली बच्चों और मरीजों को जो परेशानियां झेलनी पड़ती थीं, अब ये नई पुलियाएं उन समस्याओं का स्थायी समाधान बनेंगी। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना ही सुशासन की असली पहचान है। उन्होंने पुल-पुलिया के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि ये निर्माण कार्य स्थानीय परिवहन को सुगम बनाएंगे और कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में किसानों की मदद करेंगे। साथ ही तारागांव में सामुदायिक भवन के निर्माण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए गांवों

में सुरक्षित और पक्के भवनों का होना अनिवार्य है, ताकि ग्रामीण समाज एकजुट होकर अपनी परंपराओं का निर्वहन कर सके। मंत्री श्री कश्यप ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए अपील की कि वे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर स्वयं भी नजर रखें, क्योंकि यह संपत्ति उनकी अपनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नारायणपुर विधानसभा के हर कोने में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी रहेगा और धन की कमी को कभी विकास में बाधक नहीं बनने दिया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जीवन प्रकृति पर आधारित,राज्य में वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास

वन विभाग और विभिन्न संगठनों द्वारा वन संरक्षण, वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इन कार्यक्रमों में वैज्ञानिक तकनीक, वनीकरण के महत्व और सतत भविष्य के लिए वनों के प्रबंधन पर विशेषज्ञ चर्चा करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन प्रकृति पर आधारित है और राज्य में वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने वन क्षेत्र में वृद्धि, वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी और राज्य की पहली रामसर साइट की उपलब्धि की सराहना की। साथ ही विभागीय योजनाओं को लक्ष्य आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में टीईआरआई नई दिल्ली द्वारा वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन, जलवायु परिवर्तन और पारंपरिक ज्ञान से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया गया। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा अरण्य भवन, नया रायपुर स्थित दण्डकारण्य सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संपादकीय

युद्ध के उन्माद में क्या वैश्विक नियमों का वजूद खत्म हो गया

आज जब पूरे विश्व को प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ना था, तब कई देश युद्ध के उन्माद में इस कदर डूबे हुए हैं कि मानवीयता तार-तार हो रही है। सैन्य संघर्ष लगातार बढ़ते जाने से शांति कायम होने की उम्मीदें धूमिल पड़ रही हैं। हमलों का जख्म इतना गहरा है कि उसकी कीमत प्रायः निर्दोष लोग चुका रहे हैं, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं।सबसे दुखद यह कि कई बड़े और यहां तक कि छोटे देश भी युद्ध संबंधी अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों को मानने के लिए तैयार नहीं। पूरी दुनिया ने गाजा से लेकर यूक्रेन और तेहरान तक यह देखा है कि किस तरह उन ठिकानों पर भी हमले किए गए, जो नियम के विरुद्ध था।पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे सैन्य टकराव के बीच सोमवार रात जो दृश्य सामने आया, उससे साबित हो गया कि मानवीय संवेदनाओं के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया गया है। यह बेहद दुखद है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिससे चार सौ बेकसूर लोगों की मौत हो गई।भारत ने इस मामले में उचित ही सवाल उठाया है कि रमजान के पवित्र माह में इस हवाई बमबारी को किस तरह से देखा जाए। युद्ध के दौरान गैरजरूरी हिंसा रोकने और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए बनाए गए नियमों में स्पष्ट कहा गया है कि जंग के दौरान आम नागरिकों, स्कूल-अस्पताल और शरण लेने वाली जगहों को निशाना नहीं बनाया जाएगा।कोई देश रिहाइशी इलाकों, अस्पतालों, विद्यालयों और राहत केंद्रों पर हमला करता है, तो यह युद्ध अपराध है। मगर मानवीय तकाजे के बावजूद नियमों को ताक पर रख कर हमले किए जा रहे हैं, तो इसका मकसद क्या है? आज युद्ध की भयावह तस्वीरें हमारे पड़ोस से लेकर पूरे मध्य-पूर्व में दिखाई दे रही हैं। सैन्य हमलों में लोग बेघर हो रहे हैं। वे शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए मजबूर हैं।बिजली-पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में उनका जीवन बदतर हो गया है। हवाई बमबारी में विद्यालयों और अस्पतालों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मासूम बच्चे और निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं, तो इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है?

ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी।

ईरान-इजरायल टकराव का अमेरिका पर असर

पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च दो अरब डॉलर पार

(जयंतीलाल भंडारी)

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। जहां दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर घटने के संकेत मिल रहे हैं, वहीं विभिन्न देशों में शेयर बाजार गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे आक्रामक कदम के रूप में पेश किया था। अब इस युद्ध ने कुछ और ही रूप ले लिया है। यह सोचा नहीं गया था कि इससे वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को ऐसा झटका लगेगा, जो पश्चिम एशिया में अन्य संघर्षों से कहीं अधिक गंभीर होगा। इस युद्ध ने यात्रा के तौर-तरीकों, ऊर्जा पर निर्भरता, जीवनयापन की लागत, व्यापार मार्गों और रणनीतिक साझेदारियों को बदल दिया है।

गौरतलब है कि अन्य कई क्षेत्रीय संघर्षों से आमतौर पर अछूते रहने वाले देशों को अमेरिकी सैन्य अड्डों के कारण भी ईरान की जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहे सैन्य टकराव ने बेहद कम समय में ही अमेरिकी खजाने पर बोझ डालना शुरू कर दिया है। अब पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च औसतन दो अरब डालर तक पहुंच चुका है। हर दिन अमेरिकी सैन्य अभियान पर अरबों डालर खर्च हो रहे हैं। इस संघर्ष ने केवल अमेरिकी बजट पर ही प्रभाव नहीं डाला, बल्कि कई महंगे सैन्य उपकरणों का नुकसान भी हुआ है। अगर यह युद्ध लंबा चला, तो इसके प्रभाव और भी गंभीर हो सकते हैं। कच्चे तेल संकट के कारण मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी के जोखिम की आशंका है। इससे विकास रुक सकता है।

गौरतलब है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलमार्ग से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है।

इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े अमेरिका, इजरायल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं। ऐसे में निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। जहाजों की सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं लिए जा हैं। ऐसी स्थिति में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की आशंका है। भारत ने इस वित्तीय

वर्ष 2025- 26 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में पश्चिम एशिया के 13 देशों को करीब 50 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया, जो भारत के कुल निर्यात का करीब 15 फीसद है। विभिन्न देशों में भारत से खाद्य उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, दवाएं, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबड़ जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच की इकाई बीएमआइ ने एक रपट में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई महंगी होने और आपूर्ति श्रृंखला टूटने जैसे चिंताजनक हालात से भारत के निर्यात और निवेश पर असर पड़ेगा। रपट में यह भी कहा गया है कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में दस फीसद की वृद्धि होती है, तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 0.3 से 0.6 फीसद की कमी आ सकती है और इससे निर्यात मोर्चे पर भारत की चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

सरकार और निर्यातकों की चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इस बीच सरकार नागरिकों, निर्यातकों और अन्य प्रभावित वर्गों की मुश्किलों को कम करने के मद्देनजर रणनीतिक रूप से कदम उठा रही है। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने का भी फैसला किया गया है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद देश की सभी रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल इकाइयों को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। मगर सरकारी तंत्र को सतर्क रहना होगा, ताकि गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी न होने पाए। सरकार ने युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों और जहाज कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव सहयोग दिया जाना सुनिश्चित किया है।

इसमें दो मत नहीं कि भारत को द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ लेते हुए निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के व्यापार समझौते अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल के महीनों में जिन देशों के साथ समझौते किए गए है, उन्हें क्रियान्वयन की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाना होगा। मगर ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में निर्यात बढ़ाने के लिए चिह्नित किए गए करीब दो सौ देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। वहीं निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन निर्यात पर लगाए गए डंपिंग-रोधी शुल्क भी अड़चन हैं। अब घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इसके लिए देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना जरूरी है।

उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध की वजह से निर्यात चुनौतियों से निपटने और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार

ईरान वार पर वार किये जा रहा है मगर खाड़ी देश पलटवार की हिम्मत तक नहीं दिखा पा रहे

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया।

तेल, गैस और बारूद की गंध अब एक साथ हवा में तैर रही है। पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है।

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है।

तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है।

इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब-सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा।

खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज हैं, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा।

खून, खामोशी और खतरनाक मंसूबों का खेल

हजारों घर ज़मीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं, बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है। मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया।

(प्रणय विक्रम सिंह)

कहते हैं कि धर्म दिलों को जोड़ता है पर आज देखिए धर्म की धरती ही धधक रही है। रमज़ान का महीना था, वो महीना, जिसमें रोज़े रखे जाते हैं, दुआएं मांगी जाती हैं, इफ्तार की थालियों में उम्मीद सजती हैं लेकिन आज उसी वक्त ईरान और उससे जुड़े 22 मुल्कों की फिज़ा में दुआ नहीं, धुआं उठ रहा है।

न कोई रोज़ा दिख रहा है, न इफ्तार की रौनक, न सहरी की सादगी बस बारूद की बदबू है। और आसमान पर लाल रंग के सिवा कोई रंग नहीं।

हजारों घर ज़मीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं, बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है।

मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया। इंटेलिजेंस वॉरफेयर, इनसाइड नेटवर्क और टारगेटेड एलिमिनेशन इन तीनों के त्रिकोण ने मिलकर यह साबित किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, सिस्टम के भीतर लड़े जाते हैं। अपने ही घर के लोग अपने ही आसमान को निशाना बनवाने लगे, यह केवल जासूसी नहीं, बल्कि 'ट्रस्ट का टोटल ब्रेकडाउन' है।

अजीब वक्त है न कोई मज़हब बचाने आया, न कोई खुदा उतर कर पूछ रहा है कि कैसे हो मेरे बंदो? और जो 22 इस्लामिक मुल्क हैं वो भी जैसे खामोशी की चादर ओढ़े बैठे हैं। यहां तक कि जो गाज़ा पर सड़कों को जाम कर देते थे, वे आज ईद की खरीदारी में मशगूल हैं जैसे संवेदना भी अब 'सेलेक्टिव रिस्पॉन्स' बन चुकी हो।

ईरान का आसमान अमेरिका और इजराइल ने मिलकर रक्तरंजित कर दिया है। मोसाद ने चुन-चुन

कर इतिहास की इस धरोहर को जख्मों का जखीरा बना दिया।

हां, एक सच है कि इतिहास गवाह है हर युद्ध अपने साथ विजय से ज्यादा विनाश छोड़ता है। और यह भी तय है कि अमेरिका को इस जंग से यश नहीं, जलालत मिलेगी। अपने ही घर में सवाल उठेंगे, अपने ही लोग जवाब मांगेंगे। और जो 450 किलो यूरेनियम की चाह है वो ख्वाब ही रहेगा। क्योंकि अगर ईरान ने बम नहीं बनाया, तो उसने उसे कहीं और सुरक्षित कर दिया होगाज शायद रूसज शायद चीन।

डर एक था और वह सही भी था कि जिस दिन ईरान के पास परमाणु शक्ति आई, वह सीधे इज़राइल की ओर बढ़ेगी। और इज़राइल का अस्तित्व मिट सकता है। इस डर ने अमेरिका को युद्ध की ओर धकेला पर सवाल यह भी है कि पाकिस्तान के बमों पर यह खामोशी क्यों है? क्या वे कभी खतरा नहीं बनेंगेज? या खतरे भी अब चयनित हो गए हैंज?

इसी परिप्रेक्ष्य में एक और घटना दिल दहला देती है। अभी 3 दिन पहले ही पाकिस्तान ने काबुल की राजधानी में एक अस्पताल को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया। जहां जीवन बचाने की कोशिश होती है, वहां मौत उतार दी गई। जहां दवाइयां होनी चाहिए थीं, वहां धुएं और चीखों का अंधकार फैल गया। 400 लोग मारे गए, 250 से अधिक घायल होकर तड़पते रह गए। पर इससे भी अधिक भयावह है उस त्रासदी पर पसरा सन्नाटा। भारत में ईरान और गाज़ा के नाम पर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने वाले लोग आज इस त्रासदी पर एक सुविधाजनक खामोशी ओढ़े हुए हैं। वैश्विक मंचों पर भी कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं। अमेरिका तो ऐसी चुप्पी साधे बैठा है जैसे इस हमले के बारे में वह जानता ही नहीं।

यही वह क्षण है जब यह प्रश्न भीतर तक चीर देता है कि क्या निर्दोषों का रक्त भी अब 'जियोपॉलिटिकल इंटरेस्ट' के तराजू पर तौला जाने लगा है? क्या संवेदनाएं भी अब 'सेलेक्टिव सिम्पैथी' बन चुकी हैं?

दरअसल युद्ध शुरू करना आसान होता है, पर उसे रोकना इतिहास के सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। ऐसे समय में भारत जैसे राष्ट्र की नीति याद आती है जिसने 25 मिनट में दुश्मन के आतंकी ठिकाने ध्वस्त कर दिए, 11 एयरबेस उड़ा दिए और नूर खां के परमाणु भंडार तक ब्रह्मोस की आहट पहुंचा दी, बिना युद्ध को युद्ध बनाए।

दुनिया के बी-1 और बी-2 बॉम्बर जिन अभियानों को 'हाइपोथेटिकल प्लानिंग' में रखते हैं, उसका ट्रेलर भारत की धरती पर बनी एक स्वदेशी मिसाइल ने दिखा दिया। क्योंकि शक्ति का अर्थ केवल प्रहार नहीं प्रमाण भी होता है।

और शायद यही फर्क है अहंकार और आचरण में, आक्रमण और आत्मसंयम में और युद्ध और नीति में। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि उसे सत्ता, स्वार्थ और संघर्ष की लपटों में जलकर राख होना है या संतुलन, संयम और समझ की रोशनी में चलकर अपनी राह बनानी है। क्योंकि तलवारें जीत तो लेती हैं, पर टिकती नहीं। सभ्यताएं वही जीवित रहती हैं, जो शक्ति नहीं, विवेक से दिशा चुनती हैं। जो लहू नहीं, लौ से अपना भविष्य रचती हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने है।

प्रशासन की नाक के नीचे पर्यावरण का कत्लेआम: सिवनी में सोलर प्लांट के नाम पर 144 से अधिक पेड़ों की बलि

भानुप्रतापपुर। ग्राम सिवनी में नियमों को ताक पर रखकर पर्यावरण संरक्षण की धज्जियां उड़ाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक रसूखदार उद्योगपति द्वारा अपनी 30 एकड़ जमीन पर जेसीबी चलवाकर 144 से अधिक विशालकाय पेड़ों को जड़ से उखाड़ फेंका गया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जब यह 'हरियाली का संहार' चल रहा था, तब स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना रहा।

भिलाई के लाइट इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फर्म 'मनमीत इस्पात प्राइवेट लिमिटेड' के संचालक संदीप अग्रवाल ने सिवनी में खसरा नंबर 183 की 30 एकड़ जमीन खरीदी है। बताया जा रहा है कि यहाँ सोलर प्लांट लगाने की तैयारी है। इसी कार्य के लिए बिना किसी वैध अनुमति के भारी मशीनों का उपयोग कर हरे-भरे जंगल को मैदान में तब्दील कर दिया गया। सोशल मीडिया पर जब उजाड़ की तस्वीरें वायरल हुईं, तब जाकर वन और राजस्व विभाग की नींद खुली। आनन-फानन में डिप्टी रेंजर श्रीकांत यदु के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुँची और ठूंठों की गिनती कर पंचनामा तैयार किया।

पटवारी और वनकर्मियों की भूमिका संदिग्ध

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस अवैध कटाई की सूचना हल्का पटवारी अश्वनी साहू और संबंधित बीट गार्ड को बार-बार दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज किया। ग्रामीणों का कहना है। बिना अधिकारियों के संरक्षण के इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों को उखाड़ना संभव नहीं है। अब जब मामला सार्वजनिक हो गया है, तो केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही है।

जांच में चौंकाने वाले तथ्य

आधिकारिक तौर पर अब तक 144 बड़े पेड़ों को उखाड़ने की पुष्टि हुई है। आशंका है कि कई पेड़ों को काटकर मौके से गायब कर दिया गया है। नन्हे पौधों का विनाश सैकड़ों छोटे पौधों को भी जेसीबी से रौंद दिया गया है, जिनकी गणना जारी है।

एसडीएम की कार्यवाही पर टिकी निगाहें

अब सबकी नज़रें भानुप्रतापपुर एसडीएम गंगाधर वाहिले पर टिकी हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि कोई गरीब किसान अपने खेत का एक पेड़ भी काट ले, तो प्रशासन उस पर भारी जुर्माना ठोक देता है। ऐसे में 30 एकड़ के जंगल को उजाड़ने वाले इस रसूखदार उद्योगपति और दोषी कर्मचारियों पर प्रशासन क्या कड़ा रुख अपनाता है और मशीनों की जब्ती करता है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी।

कुटरू नेशनल पार्क क्षेत्र के ग्रामीणों से विधायक विक्रम मंडावी ने की भेंट-मुलाकात

अपने वादे के अनुरूप विक्रम मंडावी ने दिया पानी टैंकर और देवगुड़ी निर्माण की सौगात

बीजापुर। बीजापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम मंडावी ने कुटरू नेशनल पार्क क्षेत्र का एकदिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात की और उनकी समस्याओं तथा मांगों को ध्यान से सुना। विधायक विक्रम मंडावी के विगत दिनों पार्क क्षेत्र के दौरे के दौरान ग्रामीणों ने विशेष रूप से पीने के पानी की समस्या को दूर करने की मांग की थी और गांवो में पानी टैंकर उपलब्ध कराने और देवगुड़ी निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सोमवार को विधायक विक्रम मंडावी ने ग्रामीणों से किए गए अपने वादे को पूरा करते हुए ग्राम पंचायत सेंड्रा, एडापल्ली, बड़ेकाकलेड और सागमेटा को एक-एक पानी टैंकर ग्राम कुटरू में प्रदान किया और ग्राम पंचायत सांड्रा (सेंड्रा) और एड़पल्ली में विधायक निधि से पांच-पांच लाख रुपये की लागत से देवगुड़ी का निर्माण कराने की स्वीकृति भी दे दी है। ग्रामीणों ने अपनी मांगों के अनुरूप दिए गए सौगातों पर विधायक विक्रम मंडावी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोमारू राम नाग, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुटरू के शैलेश मंडावी, सभी संबंधित पंचायतों के सरपंच तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

धर्म परिवर्तन से पहले सूचना और जांच अनिवार्य महिलाओं-नाबालिगों की सुरक्षा को मिला कानूनी कवच

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026: पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया पर जोर
दीपिका शोरी ने बताया- जवाबदेही बढ़ाने वाला कानून

सुकमा। छत्तीसगढ़ में पारित धर्म स्वातंत्र्य (संशोधन) विधेयक 2026 को लेकर अब चर्चा केवल सामाजिक या राजनीतिक पहलू तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके कानूनी और प्रक्रियात्मक प्रभावों पर भी फ कोस बढ़ रहा है। इसी संदर्भ में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी ने इस कानून को पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला अहम कदम बताया है। दीपिका शोरी ने कहा कि नए प्रावधानों के तहत धर्म परिवर्तन अब एक नियत प्रक्रिया के दायरे में आएगा, जिसमें पूर्व सूचना देना, प्रशासनिक परीक्षण और सार्वजनिक जानकारी जैसे चरण शामिल हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी निर्णय पूरी तरह स्वेच्छा और कानूनी मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि कानून का उद्देश्य किसी की व्यक्तिगत आस्था में हस्तक्षेप करना नहीं, बल्कि अवैध और संदिग्ध गतिविधियों को रोकना है। जब प्रक्रिया स्पष्ट और निगरानी में होगी, तब विवाद और शिकायतों की गुंजाइश भी कम होगी, उन्होंने कहा। महिला आयोग की सदस्य ने बताया कि इस विधेयक में महिलाओं, नाबालिगों और कमजोर वर्गों के मामलों को संवेदनशील मानते हुए विशेष सुरक्षा प्रावधान जोड़े गए हैं। ऐसे मामलों में सख्त सजा और आर्थिक दंड का प्रावधान कानून को अधिक प्रभावी बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों में तथ्य सामने नहीं आ पाते, जिससे पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी होती है। नई व्यवस्था में दस्तावेजी प्रक्रिया और प्रशासनिक निगरानी से ऐसे मामलों में पारदर्शिता आएगी और दोषियों पर कार्रवाई आसान होगी। दीपिका शोरी ने उम्मीद जताई कि विधेयक के लागू होने के बाद राज्य में कानून व्यवस्था मजबूत होगी और सामाजिक विवादों में कमी आएगी। उन्होंने इसे प्रक्रिया-आधारित सुधार बताते हुए कहा कि इससे शासन और समाज के बीच विश्वास बढ़ेगा। अंत में उन्होंने प्रदेशवासियों को आगामी हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए शांति, सौहार्द और जागरूक समाज के निर्माण की कामना की।

बंद पड़े 123 स्कूल फिर से गुलज़ार, 'नियद नेल्लानार योजना' से बदली तस्वीर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख
सुकमा के दूरस्थ क्षेत्रों में पिछले साल शुरू हुई 7 नवीन प्राथमिक शालाएं

सुकमा। नक्सलवाद के काले साये को पीछे छोड़ते हुए छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों में शिक्षा का उजाला एक बार फिर तेजी से फैल रहा है। शासन द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, सलवा जुडूम आंदोलन के दौरान नक्सलियों के दहशत से बंद हुए सुकमा जिले के सैकड़ों स्कूलों के दरवाजे अब बच्चों के लिए पूरी तरह खुल चुके हैं, और छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्लानार योजना से शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है।

पुनर्जीवित हुई शिक्षा व्यवस्था

दस्तावेज़ के मुताबिक, वर्ष 2006 में माओवादी प्रभाव और सलवा जुडूम आंदोलन के कारण कुल 123 स्कूल बंद हो गए थे। इनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक शालाएं शामिल थीं। प्रशासन के निरंतर प्रयासों से इन सभी स्कूलों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वर्तमान में ऐसे स्कूलों की संख्या शून्य है, जो पूर्व में माओवादी प्रभाव के कारण बंद थे।

प्रमुख उपलब्धियां और बुनियादी ढांचा

शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और दूरस्थ इलाकों के छात्रों के भविष्य को देखते हुए आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का जाल बिछाया गया है। पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) वर्तमान में 16 पोटा केबिन संचालित हैं, जिनमें 6,722 छात्र दर्ज हैं।

छात्रावास सुविधा 16 पोटा केबिन छात्रावासों में 1,389 विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-3 (कक्षा 6वीं से 12वीं) के 3 विद्यालयों में 600 छात्राएं और टाइप-4 (कक्षा 9वीं से 12वीं) के 2 छात्रावासों में 200 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

नियद नेल्लानार योजना से नई शुरुआत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्ष 2024-25 में विकास की गति को और तेज करते हुए नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत शामिल गांवों में 07 नवीन प्राथमिक शालाएं खोली गई हैं। इन स्कूलों में अब तक 210 बच्चों ने प्रवेश लिया है। भविष्य की कार्ययोजना को देखते हुए प्रशासन ने 19 और नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव तैयार किया है। जमीनी स्तर पर आ रहे ये बदलाव न केवल बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं, बल्कि इन क्षेत्रों में विश्वास की एक नई किरण भी जगा रहे हैं। शासन ने 'पहले' और 'अब' की तस्वीरों के साथ विकास के इस परिवर्तन को प्रमाणित भी किया है, जो स्पष्ट करता है कि बंदूक की गूंज पर अब स्कूलों में बच्चों के ककहरा की गूंज और किताबों की सरसराहट भारी पड़ रही है।

दंतेवाड़ा में महापर्व नवरात्र के पांचवे दिन स्कंदमाता की हुई पूजा

किरंदुल। धार्मिक उत्सव के नवरात्र पर्व के पांचवें दिन दंतेवाड़ा में माता के स्कंद स्वरूप की पूजा विधि विधान से की गई। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता का स्कंद रूप करुणा-ममता का प्रतीक है। कमल इनका प्रिय फूल और सिंह इनका वाहन होता है। संतान प्राप्ति के लिए श्रद्धालु भक्त उपवास के साथ केले कर भोग लगाते हैं और मनचाहा आशीर्वाद लेते हैं।माना जाता है कि इस दिन माता को कपूर धूप से आरती करना श्रेयस्कर होता है। बहरहाल, पंचमी दिन का भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं ऐसे में मंदिरों में भक्तों का अधिक जमावड़ा होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख जन गोष्ठी संपन्न,

सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय भाव जगाने पर जोर

किरंदुल। गीदम के जावंगा स्थित ऑडिटोरियम में सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला दंतेवाड़ा द्वारा प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन अर्चना के साथ हुई।जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. बुधरी ताती मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख भारत भूषण अरोरा साथ ही प्रांत संघचालक डॉ. टोपलाल वर्मा, विभाग संघचालक जितेन्द्र सिंह भदौरिया एवं जिला संघचालक संतोष महापात्र ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुभारंभ की। गोष्ठी में समाज की सज्जन शक्ति को एकजुट कर राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को समझने और निभाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता भारत भूषण अरोरा ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में राष्ट्रीय विचारों और हिंदुत्व के प्रवाह को मजबूत करना आवश्यक है। समाज को एक सूत्र में जोड़कर एक दिशा में आगे बढ़ाना ही इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में वक्ता ने समाज के सामने मौजूद चुनौतियों पर चर्चा करते हुए पांच प्रमुख संकल्पों पर जोर दिया। पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्र सेवा का आधार बताते हुए प्रत्येक परिवार से पौधरोपण करने का आह्वान किया गया। गौ-सेवा को भारतीय संस्कृति का मूल बताते हुए इसे बढ़ावा देने की बात कही गई। वहीं, बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत को लेकर चिंता जताई गई और उन्हें खेल-कूद व संस्कारों से जोड़ने की अपील की गई। इसके साथ ही परिवार में बुजुर्गों के सम्मान और मातृशक्ति के प्रति आदर को सभ्य

नारायणपुर के इंडोर स्टेडियम माहका में दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का शुभारंभ, 25 मार्च तक जारी रहेगी सहायता प्रक्रिया

नारायणपुर। जिला प्रशासन द्वारा इंडोर स्टेडियम माहका में दिव्यांगजनों के सर्वांगीण कल्याण हेतु विशेष तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति (जयपुर फुट) के तकनीकी सहयोग से संचालित इस शिविर का उद्देश्य जिले के दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और आवश्यक सरकारी दस्तावेज़ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इस महत्वपूर्ण पहल के पहले दिन, जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 280 दिव्यांगजनों ने अपना सफल पंजीयन कराया। जिला प्रशासन ने सूचित किया है कि यह शिविर आज 24 मार्च और कल 25 मार्च को भी निरंतर जारी रहेगा, जिससे शेष पात्र हितग्राही अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शिविर के प्रथम दिवस की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों ने बताया कि पंजीयन के साथ-साथ मौके पर ही 60 नए दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र हेतु प्रमाणीकरण किया गया। इसी कड़ी में 3 हितग्राहियों के नए यूडीआई कार्ड तैयार किए गए और 12 कार्डों को अपडेट किया गया। इसके अतिरिक्त, 16 दिव्यांगजनों के आधार कार्डों में भी सुधार कार्य संपन्न किया गया ताकि उन्हें भविष्य में किसी भी शासकीय योजना का लाभ लेने में कठिनाई न हो। सहायक उपकरणों के वितरण की दिशा में भी शिविर अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। पहले दिन 11 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग जैसे हाथ, पैर और जूते प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया गया। वितरण प्रक्रिया के अंतर्गत 2 दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, 5 को आधुनिक बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, 2 को श्रवण यंत्र और 8 को व्हीलचेयर प्रदान की गई। वृद्धजनों और दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सुविधा हेतु 8 वृद्धजनों को सामान्य छड़ी, 1 जोड़ी बैसाखी तथा 2 व्यक्तियों को श्वेत छड़ी भी वितरित की गई। जिला प्रशासन ने जिले के सभी शेष दिव्यांगजनों और उनके परिजनों से अपील की है कि वे 24 और 25 मार्च को आयोजित होने वाले इस शिविर का अधिकतम लाभ उठाएं। प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सहायक उपकरणों और प्रमाणीकरण की सुविधा से वंचित न रहे।

छिंदगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध शराब परिवहन करते युवक गिरफ्तार, स्कॉर्पियो समेत लाखों का माल जब्त

सुकमा। जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के तहत थाना छिंदगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से शराब परिवहन कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और एक महंगी स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक किरण गंगा राम चव्हाण के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह एवं अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई 23 मार्च 2026 को की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने छिंदगढ़ क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी अनीश कुमार पोंदी (26 वर्ष), निवासी देवी चौक पटनमपारा सुकमा को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से 4 पेटी बीयर (48 बोतल, कुल 31,200 एमएल) और 3 पेटी गोल्डन गोवा अंग्रेजी शराब (144 पौवा, कुल 25,920 एमएल) बरामद की गई। कुल 57,120 एमएल शराब की कीमत 26,880 रुपए आंकी गई है। इसके अलावा शराब परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है, को भी जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत प्रताप सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

219 बटालियन सीआरपीएफ ने मेहता कैम्प में आयोजित किया सिविक एक्शन प्रोग्राम, 250 ग्रामीण हुए लाभान्वित

कोंटा। क्षेत्र में आम जनता से मित्रता और सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से 219 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। 24 मार्च 2026 को कोंटा रेंज के मार्गदर्शन में मेहता कैम्प219 बटालियन में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 250 स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मेहता गांव के सरपंच माडवी एर्रा सहित आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को साइकिल, मच्छरदानी, बर्तन, सौर लालटेन, चप्पल, महिलाओं के लिए साड़ी, बुजुर्गों के लिए कंबल व लुंगी तथा युवाओं के लिए खेल सामग्री और विद्यार्थियों को पढ़ाई से संबंधित सामग्री वितरित की गई। इसके साथ ही चिकित्सा दल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों जैसे लू, निर्जलीकरण, डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड से बचाव के उपाय बताए गए तथा जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सीआरपीएफक्षेत्र की सुरक्षा, सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नक्सलियों के बहकावे में न आएं, बच्चों को शिक्षा दें और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर क्षेत्र के विकास में भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामीणों के लिए भोजन और जलपान की व्यवस्था की गई।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे फिर नंबर-1, 29,493 करोड़ का रिकॉर्ड माल राजस्व हासिल

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक बार फिर भारतीय रेलवे में अपनी नंबर-वन स्थिति कायम रखते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जोन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के समाप्त होने से 10 दिन पहले ही 21 मार्च तक 29,493.59 करोड़ रुपए का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित कर रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे देश में सबसे अधिक माल राजस्व अर्जित करने वाला जोन बन गया है। भारतीय रेलवे के कुल माल राजस्व में इसका योगदान 17.13 प्रतिशत रहा है। साथ ही पिछले वर्ष की तुलना में 1026 करोड़ रुपए यानी 3.6 प्रतिशत की वृद्धि भी दर्ज की गई है। माल परिवहन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि नेट टन किलोमीटर के मामले में भी जोन ने नया इतिहास रचा है। 22 मार्च तक 146.75 बिलियन एनटीकेएम हासिल कर एसईसीआर ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष से 3.8 प्रतिशत अधिक है। रेलवे ने अधोसंरचना विकास पर भी विशेष ध्यान दिया है। कई प्रमुख रेल मार्गों पर तीसरी और चौथी लाइन का विस्तार किया गया है, जिससे माल ढुलाई और समयबद्ध संचालन में सुधार हुआ है। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहारों और विशेष अवसरों पर अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन भी किया गया है, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। इन उपलब्धियों का श्रेय महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के नेतृत्व, बेहतर प्रबंधन और कर्मचारियों की मेहनत को दिया जा रहा है, जिनके प्रयासों से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यह मुकाम हासिल किया है।

बिलासपुर पोल्ट्री फार्म में 5 हजार से ज्यादा मुर्गियों की मौत, बर्ड फ्लू की आशंका से हड़कंप

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित शासकीय कुक्कुट पालन परिक्षेत्र में पिछले पांच दिनों के भीतर 5 हजार से अधिक मुर्गाङ्कमुर्गियों की मौत से हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक तौर पर इस घटना के पीछे बर्ड फ्लू की आशंका जताई जा रही है। कोनी क्षेत्र में संचालित इस सरकारी पोल्ट्री फार्म में करीब 6 हजार से अधिक विभिन्न नस्लों के मुर्गाङ्कमुर्गियों का पालन किया जाता है। 18 मार्च से अचानक मुर्गियों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे बढ़ता गया। हालात बिगड़ने पर मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर रायपुर से पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। मौत के कारणों की पुष्टि के लिए सैंपल भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजे गए हैं। एहतियात के तौर पर शासकीय पोल्ट्री फार्म को फिलहाल बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मौत का कारण क्या है। बताया जा रहा है कि यदि जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि होती है, तो फार्म के 5 किलोमीटर के दायरे को संवेदनशील क्षेत्र घोषित कर सभी पक्षियों को नष्ट करने की कार्रवाई की जा सकती है, ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके। वहीं, इस मामले में शुरुआती स्तर पर सूचना देने में देरी को लेकर प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू की पुष्टि,पोल्ट्री फार्म सील,1 किमी संक्रमित,10 किमी निगरानी क्षेत्र घोषित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कोनी स्थित शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में 5 हजार से अधिक मुर्गाङ्कमुर्गियों की मौत के बाद जांच कराए गए सैंपल में संक्रमण की पुष्टि हुई है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने स्थिति को देखते हुए तत्काल प्रभाव से कई अहम निर्देश जारी किए हैं। पोल्ट्री फार्म में मौजूद पक्षियों, अंडों, दानों और अन्य सामग्री के नष्टिकरण के लिए 9 सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसमें डॉ. आरके गुप्ता को नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रशासन ने पोल्ट्री फार्म के 1 किलोमीटर क्षेत्र को संक्रमित जोन और आसपास के 10 किलोमीटर क्षेत्र को सर्विलांस जोन घोषित किया है। इन क्षेत्रों में साइन बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए राजस्व, पुलिस, नगरीय प्रशासन और पंचायत विभाग को मिलकर निर्धारित एसओपी के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मृत पक्षियों और अपशिष्टों का जैव सुरक्षा नियमों के अनुसार निपटान किया जा रहा है। फार्म में कार्यरत कर्मचारियों के सैंपल लेकर जांच कराने और आम जनता को लक्षण व बचाव की जानकारी देने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। सबसे अहम बात— संक्रमित और निगरानी क्षेत्रों में पोल्ट्री उत्पादों की खरीदी-बिक्री और परिवहन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

शून्य दुर्घटना पर कार्यशाला में दिया गया जोर

श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उद्योगों की जिम्मेदारी

बिलासपुर। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में आयोजित एकदिवसीय औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री सुनील जैन, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, आईएचएस के संचालक श्री मनीष श्रीवास्तव ने संबोधित किया। कार्यशाला में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के डिप्टी डायरेक्टर विजय कुमार सोरी, प्रदेश के विभिन्न जिलों से औद्योगिक इकाइयों के प्रबंधन एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र की स्पॉन्ज आयरन फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने स्पष्ट कहा कि औद्योगिक सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उद्योगों का उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना नहीं, बल्कि देश के विकास में योगदान देने के साथ-साथ श्रमिकों के

जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। दुर्घटनाएं भले ही क्षणिक होती हैं, लेकिन उनके दुष्परिणाम लंबे समय तक प्रभावित करते हैं। इसलिए औद्योगिक इकाइयों में जोखिम की पहचान कर समय रहते उचित प्रबंधन, आधुनिक सुरक्षा उपकरणों की स्थापना, नियमित प्रशिक्षण एवं मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि उद्योग देश के विकास और रोजगार सृजन का प्रमुख माध्यम हैं, लेकिन किसी भी दुर्घटना से न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि संस्थान की साख भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन और श्रमिकों के सामूहिक प्रयास से ही सुरक्षित कार्य वातावरण निर्मित किया जा सकता है। श्रमिकों को नियमित प्रशिक्षण देने, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने तथा उनमें स्वामित्व की भावना विकसित करने पर उन्होंने विशेष बल दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करना गंभीर घटनाओं को जन्म देता है, जिसमें मानव लापरवाही प्रमुख कारण होती है। उन्होंने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने तथा किसी भी घटना की स्थिति में उसे छुपाने के बजाय तत्काल प्रशासन को सूचित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में औद्योगिक इकाइयों द्वारा सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों पर प्रस्तुतियां दी गईं तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों एवं प्रबंधन को जागरूक किया गया। पावर पॉइंट प्रस्तुति एवं संवादात्मक सत्रों के जरिए प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में सुरक्षा की शपथ भी ली गई। इस आयोजन के माध्यम से औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

खनिजो के अवैध उत्खनन व परिवहन पर 01 जे सी बी 03 हाइवा व 10 ट्रेक्टर ट्राली कुल 14 वाहन जप्त

बिलासपुर। कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार एंव उप संचालक महोदय के मार्गदर्शन मे जिला बिलासपुर में खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एंव भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 23/03/2026, 24/03/2025 व 25/03/2026को खनिज अमला बिलासपुर द्वारा काठकोनी, देवरीखुर्द, खम्हरिया, सकरी, निरतु, सेंदरी, मंगला, तुरकाडीह, लोखंडी, लोफण्डी, दर्रीघाट, लावर, जयरामनगर कोटा, करही कछार, पहन्दा क्षेत्र की जाँच की गयी। जाँच के दौरान खम्हरिया क्षेत्र से खनिज मिट्टी का अवैध उत्खनन करते 01 जे सी बी व 01 ट्रैक्टर ट्राली जप्त किया गया। सकरी क्षेत्र से खनिज मिट्टीईट का अवैध परिवहन करते 02 ट्रैक्टर

ट्राली जप्त किया गया। जयरामनगर क्षेत्र से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते 03 हाइवा 01ट्रैक्टर ट्राली वाहन को जप्त किया गया। सेंदरी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 03 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया। करही कच्छार क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया। पहँदा क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया।लोफण्डी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 01 ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया। इस प्रकार जप्त कुल 14 वाहनों को पुलिस थाना कोनी, कोटा, पुलिस सहायता केंद्र केंदा व जाँच चौकी लावर की अभिरक्षा मे रखा गया है।खनिजों के अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण पर खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही जारी है।

सिम्स स्वशासी समिति की बैठक, अस्पताल और कॉलेज में सुविधाएं बढ़ाने लिए गए अहम निर्णय

■ संभागायुक्त ने अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) की स्वशासी समिति (प्रबंधकारिणी सभा) की बैठक आज सिम्स के नवीन काउंसिल कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के बाद संभागायुक्त ने चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने वार्ड, ओपीडी एवं अन्य प्रमुख इकाइयों का अवलोकन कर साफ-सफाई, उपचार व्यवस्था तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर सदस्य सचिव और डीन श्री रमनेश मूर्ति, डिप्टी कमिश्नर डॉ. स्मृति तिवारी, अस्पताल अधीक्षक श्री लखन सिंह, नोडल अधिकारी डॉ. भूपेन्द्र कश्यप भी मौजूद थे। बैठक में संस्थान के शैक्षणिक, चिकित्सकीय एवं अधोसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर कई अहम निर्णय लिए गए। संभागायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में सिम्स ऑडिटोरियम में केंद्रीकृत वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना, भवन मरम्मत एवं अन्य सिविल कार्य, जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, महाविद्यालय भवन में अतिरिक्त निर्माण एवं वाटर प्यूरिफिंग सहित विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही संस्थान के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह की तैयारी करने का निर्णय लिया गया।

अयोध्या धाम के लिए 1008 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। रामलला दर्शन योजना एवं सामाजिक पहल के तहत 1008 श्रद्धालुओं का जत्था 25 मार्च को अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने पुलिस परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री अटल श्रीवास्तव, श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, समाजसेवी एवं यात्रा के संयोजक श्री प्रवीण झा, जिलाध्यक्ष श्री दीपक

सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं उनके परिजन उपस्थित थे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार रामलला दर्शन योजना के माध्यम से एक पुनीत कार्य कर रही है। इस योजना से हजारों श्रद्धालु पवित्र अयोध्या धाम जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवीण झा जैसे समाजसेवियों के प्रयासों से भी लोगों के सपनों को साकार होने का अवसर मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि रामलला के दर्शन का यह अवसर सदियों के संघर्ष के बाद मिला है। राज्य सरकार की यह पहल आमजन को आस्था से जोड़ने का माध्यम बन रही है। आज हर श्रद्धालु के चेहरे पर आस्था और आनंद झलक रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं को सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। विधायक श्री अमर अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि रामलला दर्शन योजना प्रदेश सरकार की एक सराहनीय पहल है जिसके जरिए लोगों को अयोध्या धाम जाकर भगवान श्री राम जी के दर्शन का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल यात्रा बल्कि आस्था और संस्कृति से जुड़ने का माध्यम है। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित रामलला दर्शन योजना से अब तक हजारो श्रद्धालु लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो स्वयं अपने खर्च से यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। कार्यक्रम में प्रवीण झा द्वारा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम ले जाने की पहल की सराहना की गई। जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

नवरात्रि पर भूमिहीन श्रमिकों को बड़ी सौगात : 10 हजार की सहायता राशि सीधे खातों में अंतरित

■ जिले में 39 हजार से अधिक श्रमिक हितग्राहियों को मिला फायदा

■ दीनदयाल योजना से भूमिहीन श्रमिकों का हो रहा सशक्तिकरण

बिलासपुर। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में विधायक श्री सुशांत शुक्ला तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर भूमिहीन श्रमिकों को यह आर्थिक सहायता एक महत्वपूर्ण सौगात है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में लगभग 5 लाख 62 हजार हितग्राहियों के खातों में 10 -10 हजार रुपए की राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं तथा गांव, गरीब और किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सरकार गठन के पश्चात रुके हुए प्रधानमंत्री आवास के 26 लाख हितग्राहियों को लाभान्वित किया तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से लगभग 70 लाख महिलाओं के खातों में 1-1 हजार की राशि अंतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भूमिहीन श्रमिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 10,000 रुपए की सहायता एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान उन्होंने प्रतीक स्वरूप 20 श्रमिकों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 39,413 हितग्राही इस योजना के अंतर्गत पात्र हैं, जिनके खातों में माननीय मुख्यमंत्री जी के बटन दबाते ही 10 -10 हजार रुपए की राशि सीधे अंतरित की गई है। जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी तहसीलों में भी कार्यक्रम आयोजित कर हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन मजदूर कल्याण योजना से खिली हजारों चेहरों पर मुस्कान.....

■ जिले के 39 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिली आर्थिक सहायता

■ संवेदनशील पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

बिलासपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले में बड़ी संख्या में भूमिहीन मजदूरों को राहत मिली है। योजना के तहत जिले के 39 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से प्रति हितग्राही 10 हजार रुपए की सहायता राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बलौदाबाजार जिले से इस राशि का अंतरण किया गया। जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बलौदा बाजार जिले से राज्य के लाखों भूमिहीन मजदूरों की डीबीटी के जरिए राशि हस्तांतरित की गई। हितग्राहियों के खाते में राशि पहुंचते ही मैसेज प्राप्त होने पर उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। आर्थिक रूप से कमजोर एवं भूमिहीन मजदूर परिवारों के लिए यह सहायता राशि किसी संबल से कम नहीं है। दैनिक मजदूरी पर निर्भर इन परिवारों के लिए यह राशि उनकी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहायक

साबित हो रही है। जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के हितग्राहियों ने योजना के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें समय पर मिली यह सहायता राशि घर-गृहस्थी के खर्च, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों एवं अन्य आवश्यक कार्यों में उपयोगी सिद्ध होगी। ग्राम नगोई की हितग्राही दुर्गा केंवट और बेसाखा बाई ने कहा कि सरकार द्वारा मिल रही इस एकमुश्त सहायता राशि से उनके कई कार्य पूरे हो सकेंगे। ग्राम महमंद के किसान दशरथ निर्मलकर और छतलाल ने बताया कि वह इस राशि का उपयोग गाय खरीदने के लिए करेंगे, जिससे वे अपनी आजीविका बढ़ा सके। वहीं बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम भिमनी के किसान शिवकुमार यादव ने बताया कि इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में करेंगे। ग्राम जलसो की राजकुमारी और ग्राम नगोई की बृहस्पति केंवट ने कहा कि हम जैसे गरीब परिवारों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की यह एक संवेदनशील पहल है। जिसका लाभ हमें तीन वर्षों से मिल रहा है। हितग्राही महिलाओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना भूमिहीन मजदूर परिवारों के हित में बड़ी पहल है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया। पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन, सत्यापन एवं ई-केवाईसी की प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया गया। प्रशासनिक अमले द्वारा गांव-गांव एवं वार्ड स्तर पर शिविर आयोजित कर हितग्राहियों को जागरूक किया गया तथा उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। जिला प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया कि योजना का लाभ केवल पात्र एवं वास्तविक हितग्राहियों तक ही पहुंचे।

पुरुषोतम भगवान राम का जन्म चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में कौशल्या की कोख से हुआ था। यह दिन भारतीय जीवन में पुण्य पर्व माना जाता हैं। इस दिन सरयू नदी में स्नान करके लोग पुण्य लाभ कमाते हैं।

राम नवमी
क्यों मनाया जाता है यह दिन
राम नवमी पूजा के शुभ मुहूर्त

राम नवमी का संबंध भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम से है। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिये हर युग में अवतार धारण किए। इन्हीं में एक अवतार उन्होंने भगवान श्री राम के रुप में लिया था। जिस दिन भगवान श्री हरि ने राम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया वह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी का दिन था। यही कारण है कि इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का भी यह अंतिम दिन होता है।

श्री राम का जन्म

पौराणिक ग्रंथों में जो कथाएं हैं उनके अनुसार भगवान राम त्रेता युग में अवतरित हुए। उनके जन्म का एकमात्र उद्देश्य मानव मात्र का कल्याण करना, मानव समाज के लिए एक आदर्श पुरुष की मिसाल पेश करना और अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करना था। यहां धर्म का अर्थ किसी विशेष धर्म के लिए नहीं बल्कि एक आदर्श कल्याणकारी समाज की स्थापना से है।

राजा दशरथ जिनका प्रताप 10 दिशाओं में व्याप्त रहा। उन्होंने तीन विवाह किए थे लेकिन किसी भी रानी से उन्हें पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई। ऋषि मुनियों से जब इस बारे में विमर्श किया तो उन्होंने पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने की सलाह दी। पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने के पश्चात यज्ञ से जो खीर प्राप्त हुई उसे राजा दशरथ ने अपनी प्रिय पत्नी कौशल्या को दे दिया। कौशल्या ने उसमें से आधा हिस्सा केकैयी को दिया इसके पश्चात कौशल्या और केकैयी ने अपने हिस्से से आधा-आधा हिस्सा तीसरी पत्नी सुमित्रा को दे दिया। इसीलिए चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में माता कौशल्या की कोख से भगवान श्री राम जन्मे। केकैयी से भरत ने जन्म लिया तो सुमित्रा ने लक्ष्मण व शत्रुघ्न को जन्म दिया।

कैसे मनाते हैं रामनवमी

भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है। वे स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण हैं जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं। वे समाज में व्याप्त ऊंच-नीच को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का और केवट की नाव चढ़ने का उदाहरण इसे समझने के लिए सर्वोत्तम है। वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले, विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले पराक्रमी भगवान श्री राम का जन्मोत्सव देश भर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्री राम की भक्ति में डूबकर भजन कीर्तन किए जाते हैं। श्री रामकथा सुनी जाती है। रामचरित मानस का पाठ करवाया जाता है। श्री राम स्त्रोत का पाठ किया जाता है। कई जगहों भर भगवान श्री राम की प्रतिमा को झूले में भी झुलाया जाता है। रामनवमी को उपवास भी रखा जाता है। मान्यता है कि रामनवमी का उपवास रखने से सुख समृद्धि आती है और पाप नष्ट होते हैं।

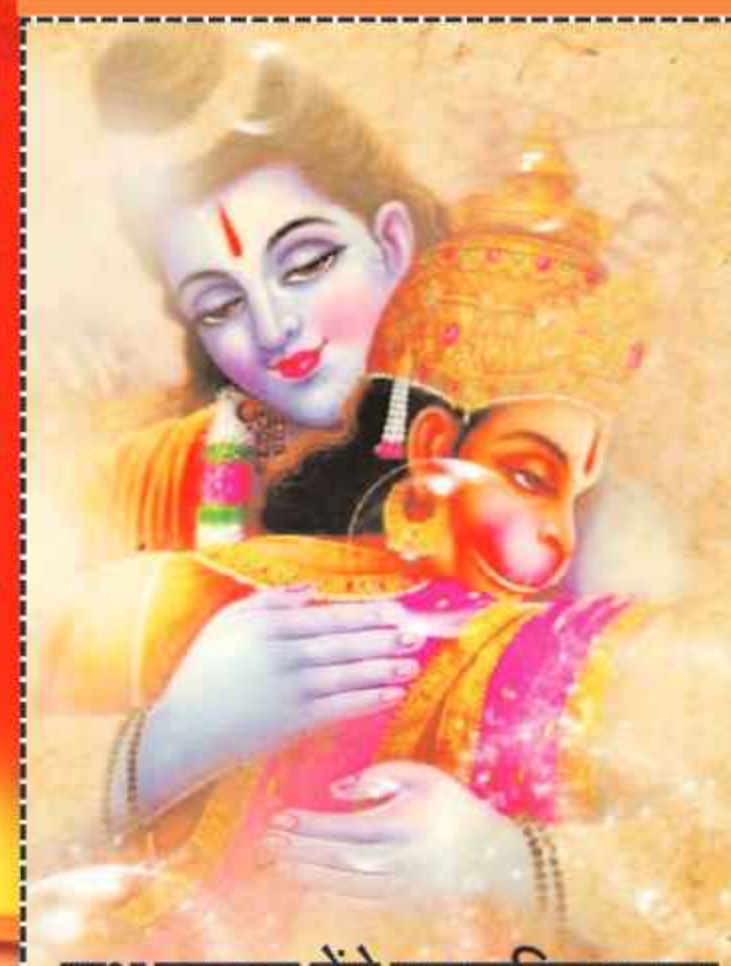

शुभ वरदान देंगे रामचरितमानस के ये 10 चमत्कारी मंत्र
रामनवमी का अवसर हाथ से न जाने दें

राम नवमी पर रामचरित मानस के दोहे, चौपाई और सोरठा अथवा उनके मंत्रों से इच्छापूर्ति की जाती है, जो अपेक्षाकृत सरल हैं। राम नवमी के दिन रामचरितमानस के निम्नलिखित प्रयोग किए जा सकते हैं -

(1) मनोकामना पूर्ति एवं सर्वबाधा निवारण हेतु-
'कवन सो काज कठिन जग माही। जो नहीं होइ तात तुम पाहीं।।'

(2) भय व संशय निवृत्ति के लिए-
'रामकथा सुन्दर कर तारी। संशय बिहग उड़व निहारी।।'

(3) अनजान स्थान पर भय के लिए मंत्र पढ़कर रक्षारेखा खींचे-
'मामभिरक्षय रघुकुल नायक। धृतवर चाप रुचिर कर सायक।।'

(4) भगवान राम की शरण प्राप्ति हेतु-
'सुनि प्रभु वचन हरष हनुमाना। सरनागत बच्छल (शरणागत वत्सल) भगवाना।।'

(5) विपत्ति नाश के लिए-
'राजीव नयन धरें धनु सायक। भगत बिपति भंजन सुखदायक।।'

(6) रोग तथा उपद्रवों की शांति हेतु-
'दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहिं ब्यापा।।'

(7) आजीविका प्राप्ति या वृद्धि हेतु-
'बिस्व भरन पोषन कर जोई। ताकर नाम भरत अस होई।।'

(8) विद्या प्राप्ति के लिए-
'गुरु गृह गए पढ़न रघुराई। अल्पकाल विद्या सब आई।।'

(9) संपत्ति प्राप्ति के लिए-
'जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं। सुख संपत्ति नानाविधि पावहिं।।'

(10) शत्रु नाश के लिए-
'बयरू न कर काहू सन कोई। रामप्रताप विषमता खोई।।'

आवश्यकता के अनुरूप कोई मंत्र लेकर एक माला जपें तथा एक माला का हवन करें। जप के पहले श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर लें तो शुभ रहेगा। जब तक कार्य पूरा न हो, तब तक एक माला (तुलसी की) नित्य जपें। यदि सम्पुट में इनका प्रयोग करें तो शीघ्र तथा निश्चित कार्यसिद्धि होगी। रामनवमी पर सुंदरकांड अवश्य करें।

श्रीराम की आराधना करें शिव के साथ

'भगवान शिव' राम के इष्ट एवं 'राम' शिव के इष्ट हैं। ऐसा संयोग इतिहास में नहीं मिलता कि उपास्य और उपासक में परस्पर इष्ट भाव हो इसी स्थिति को संतजन 'परस्पर देवोभव' का नाम देते हैं। शिव का प्रिय मंत्र 'ऊ नम: शिवाय' एवं 'श्रीराम जय राम जय जय राम' मंत्र का उच्चारण कर शिव को जल चढ़ाने से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। भगवान राम ने स्वयं कहा है :

'शिव द्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा।'

अर्थात जो शिव का द्रोह कर के मुझे प्राप्त करना चाहता है वह सपने में भी मुझे प्राप्त नहीं कर सकता। इसीलिए शिव आराधना के साथ श्रीरामचरितमानस पाठ का बहुत महत्वपूर्ण होता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम 14 वर्ष के वनवास काल के बीच जब जाबालि ऋषि की तपोभूमि मिलने आए तब भगवान गुप्त प्रवास पर नर्मदा तट पर आए। उस समय यह पर्वतों से घिरा था। रास्ते में भगवान शंकर भी उनसे मिलने आतुर थे, लेकिन भगवान और भक्त के बीच वे नहीं आ रहे थे। भगवान राम के पैरों को ककर न चुभें इसीलिए शंकरजी ने छोटे-छोटे ककरों को गोलाकार कर दिया। इसलिए ककर-ककर में शंकर बोला जाता है। जब प्रभु श्रीराम रेवा तट पर पहुंचे तो गुफा से नर्मदा जल बह रहा था। श्रीराम यहीं रुके और बालू एकत्र कर एक माह तक उस बालू का नर्मदा जल से अभिषेक करने लगे। आखिरी दिन शंकरजी वहां स्वयं विराजित हो गए और भगवान राम-शंकर का मिलन हुआ। शिवप्रिय मैकल सैल सुता सी, सकल सिद्धि सुख संपति राशि, रामचरित मानस की ये पंक्तियां श्रीराम और शिव के चरण पड़ने की साक्षी है।

जब प्रभु श्रीराम ने दिया भक्त हनुमान को वरदान

लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या में अपने परिजनों के साथ बैठे हुए थे। श्रीराम, हनुमानजी द्वारा की गई सहायता को याद कर भावविभोर हो रहे थे। वह बोले, 'हनुमान ने संकट के समय मेरी सहायता की, लेकिन मैंने उन्हें कुछ भी नहीं दिया।' उन्होंने हनुमानजी से कहा, मैंने विभीषण को लंका का राज्य दिया। सुग्रीव को किष्किंधा का राजा और अंगद को युवराज बनाया। आज मैं तुम्हें भी कुछ देना चाहता हूं। इसलिए तुम इच्छित वर मांग सकते हो। हनुमानजी निष्काम भक्ति के साकार रूप थे। उन्होंने श्रीराम से विनम्रता से कहा, प्रभु आप मुझसे बहुत प्रेम करते हैं। मुझ पर आपकी असीम कृपा है। अब और मांगकर क्या करूंगा। लेकिन श्रीराम हनुमानजी को उस दिन कुछ न कुछ देने के लिए आकांक्षी थे। अचानक हनुमानजी ने कहा कि, भगवान आपने सभी को एक-एक पद (चरण) दिए हैं। क्या आप मुझे भी पद दे सकेंगे। श्रीराम कुछ समझ नहीं पाए, फिर भी बोले तुम्हें कौन सा पद चाहिए हनुमान?

हनुमानजी अपने स्थान से उठे और उन्होंने प्रभु राम के चरण पकड़ लिए। हनुमानजी बोले, मैं इन दो पदों की हर क्षण सेवा करता रहूं, यही वरदान चाहिए। श्रीराम की आंखों से अश्रु बहने लगे और उन्होंने श्री हनुमान जी को को गले लगा कर यह वरदान दिया कि जीवन भर उनकी सेवा करते रहें।

भगवान श्रीराम के इन गुणों से हमें भी सीखना चाहिए

भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खासतौर पर उनके द्वारा अपनाई गई व्यावहारिक नीतियां, यही कारण था कि कठिन परिस्थितियों में भी वे सफल रहे। भगवान श्रीराम के स्वभाव के इन 11 गुणों से सीखना चाहिए

- सभी से हंसते-मुस्कुराते मिलना।
- लोगों के नामों को याद रखना और उन्हें, उन्हीं नाम से संबोधित करना।
- दूसरों की बातों को ध्यान और धीरज से सुनना।
- लोगों के प्रति सच्ची निष्ठा रखना।
- दूसरे व्यक्तियों को सम्मान देना।
- किसी को अपने विचार मनवाने के लिए तर्क और विवाद का सहारा नहीं लेना।
- उच्च आदर्श व सिद्धांत का पालन करने में हर कठिनाई को सहन करने के लिए तैयार रहना।
- दूसरे के विचारों और भावनाओं के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना।
- दूसरे की दृष्टि से घटनाओं या वस्तुओं को देखने का प्रयास करना।
- अपनी त्रुटि (गलती) को शीघ्र स्वीकार कर लेना।
- दूसरे व्यक्तियों के विचारों के प्रति आदर की भावना होना।

श्रीराम के ये 5 गुण अपना लिए तो जीवन में फिर किसी संकट से भय नहीं होगा

भगवान राम विषम परिस्थितियों में भी नीति सम्मत रहे। उन्होंने वेदों और मर्यादा का पालन करते हुए सुखी राज्य की स्थापना की। स्वयं की भावना व सुखों से समझौता कर न्याय और सत्य का साथ दिया। फिर चाहे राज्य त्यागने, बाली का वध करने, रावण का संहार करने या सीता को वन भेजने की बात ही क्यों न हो। जानिए भगवान राम के 5 ऐसे गुण जिनकी वजह से वे जीवन में सफल माने गए.

सहनशील व धैर्यवान - सहनशीलता व धैर्य भगवान राम का विशेष गुण है। कैकेयी की आज्ञा से वन में 14 वर्ष बिताना, समुद्र पर सेतु बनाने के लिए तपस्या करना, सीता को त्यागने के बाद राजा होते हुए भी संन्यासी की भांति जीवन बिताना उनकी सहनशीलता की पराकाष्ठा है।

दयालु व बेहतर स्वामी - भगवान राम ने दया कर सभी को अपनी छत्रछाया में लिया। उनकी सेना में पशु, मानव व दानव सभी थे और उन्होंने सभी को आगे बढ़ने का मौका दिया। सुग्रीव को राज्य, हनुमान, जाम्बवत व नल-नील को भी उन्होंने समय-समय पर नेतृत्व करने का अधिकार दिया।

दोस्त - केवट हो या सुग्रीव, निषादराज या विभीषण। हर जाति, हर वर्ग के मित्रों के साथ भगवान राम ने दिल से करीबी रिश्ता निभाया। दोस्तों के लिए भी उन्होंने स्वयं कई संकट झेले।

बेहतर प्रबंधक - भगवान राम न केवल कुशल प्रबंधक थे, बल्कि सभी को साथ लेकर चलने वाले थे। वे सभी को विकास का अवसर देते थे व उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते थे। उनके इसी गुण की वजह से लंका जाने के लिए उन्होंने व उनकी सेना ने पत्थरों का सेतु बना लिया था।

आदर्श भाई - भगवान राम के तीन भाई लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न सौतेली मां के पुत्र थे, लेकिन उन्होंने सभी भाइयों के प्रति सगे भाई से बढ़कर त्याग और समर्पण का भाव रखा और स्नेह दिया। यही वजह थी कि भगवान राम के वनवास के समय लक्ष्मण उनके साथ वन गए और राम की अनुपस्थिति में राजपाट मिलने के बावजूद भरत ने भगवान राम के मूल्यों को ध्यान में रखकर सिंहासन पर रामजी की चरण पादुका रख जनता को न्याय दिलाया।

भरत के लिए आदर्श भाई, हनुमान के लिए स्वामी, प्रजा के लिए नीति-कुशल व न्यायप्रिय राजा, सुग्रीव व केवट के परम मित्र और सेना को साथ लेकर चलने वाले व्यक्तित्व के रूप में भगवान राम को पहचाना जाता है। उनके इन्हीं गुणों के कारण उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम राम के नाम से पूजा जाता है। सही भी है, किसी के गुण व कर्म ही उसकी पहचान बनाते हैं।

चीतनाथ घाट पर निषाद जयन्ती के अवसर पर सोमवार की रात्रि में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जायेगा

गंगा आरती व निषाद जयन्ती पर राजू चौधरी हुए सम्मानित

गाजीपुर। गंगा समग्र के तत्वाधान में नगर क्षेत्र के चीतनाथ घाट पर निषाद जयन्ती के अवसर पर सोमवार की रात्रि में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथि कुंवर शिवांग विजय सिंह ने गंगा की महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया मां गंगा का जल वरदायिनी रहा है गंगा तट नगर व ग्रामीण जनजीवन का विकास हुआ और यही से भारतीय सभ्यता का चरणबद्ध तरीके से विकास हुआ है जिनकी गोद में असंख्य जीव जन्तुओ का सृजन हुआ और मानस सभ्यता का विकास बहुत तेजी से हुआ और राजा भगीरथ के प्रयास से इस गाधिपुरी नगरी में महर्षि जन्मदग्नि का आश्रम, भृगु ऋषि, मौनी बाबा, कण्व ऋषि जैसे महान विभुतियों ने इनके तट पर आश्रम बनाकर सनातन समाज को अपने संस्कृति का पालन पोषण किया। यहा के गुरूकुल में श्रीरामचन्द, लक्ष्मन, भरत, शत्रुघन सभी ने दिक्षा ग्रहण किया। गंगा समग्र के जिला संयोजक कृपाशंकर राय ने बताया कि निषादराज जयन्ती के अवसर पर गंगा तट चीतनाथघाट पर भव्य मां गंगा आरती का आयोजन किया गया। जिसमें मां गंगा के अविरल धारा निरन्तर प्रवाहित होती रही जिसके स्वच्छता व निर्मलता को बनाये रखने के लिए गंगा आरती का आयोजन किया जा रहा है। जिससे आमजन के बीच गंगा के स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। गंगा समग्र के संगठन मंत्री संजय ने बताया कि मां गंगा जी का प्राकृति जलप्रवाह हो, पतित पावनी मां गंगा को प्रदुषण मुक्त करना और औद्योगिक कचरा गंगा नदी मे जाने से रोकना हम सब ऋद्धालु भक्त का धर्म है। समाज के सभी वर्ग का पतित पावनी मां गंगा को स्वच्छ रखने मे भागीदारी हो। साथ ही साथ गंगा नदी के किनारे बसे शहरो और गांवो को अध्यात्मिक व आर्थिक जीवन से जोड़ना हम सभी का दायित्व है। गंगा समग्र के आरती प्रमुख ने बताया कि गंगा आरती का कार्यक्रम नगर के प्राचीन चीतनाथ घाट पर किया गया। कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियो एवं मंचासीन अतिथियो को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमे निषाद राजू चौधरी, स्वामी निश्छिलानन्देश्वर, सर्वजीत सिंह, जिला प्रचारक प्रभात, विजय नरायन राय, प्रचार प्रमुख चन्द्रकुमार, केशव निषाद, स्वपनिल राय, राजबिहारी राय, नितिन अग्रहरि, जयशंकर राय, उज्जवल पाण्डेय, किशन चौधरी, सनी कश्यप, रामभरत, सुग्रीव, अभिषेक चौधरी, श्रीप्रकाश केशरी, सक्षम वर्मा, धमेन्द्र देव प्रसाद, वशिष्ठ नारायण, अजय कुमार गंगा समग्र गोरक्ष प्रान्त, किशोरी लाल, भाई लाल, पीयुष गर्ग, सुवेश मिश्रा, लक्ष्मीकान्त मिश्रा, राजकुमार सिंह, ज्ञानप्रकाश जायसवाल, प्रफुल्ल शर्मा, पारसनाथ राय, हीरालाल, हिमान्शु शेखर, दीपक तिवारी, विपल्व रावत, अजेन्द्र कुमार राय, आदित्य प्रकाश आर्य, मनोज सिंह, रामा चौधरी आदि सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मल्टीप्लेक्स को फायदा पहुंचाने रोड की चौड़ाई बढ़ाई, आमजन हो जाएंगे कब्जाधारी, कांग्रेस का प्रदर्शन

राजनांदगांव। मोहारा रोड पर खुले मल्टीप्लेक्स का मामला अब गरमाता जा रहा है। इसमें टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के साथ पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग भी घेरे में आता दिख रहा है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है और मल्टीप्लेक्स संचालक को फायदा पहुंचाने के लिए यह कृत्य अधिकारियों ने किया है, यह सीधा आरोप लगाया। कांग्रेसियों ने कहा कि यदि रोड 45 मीटर दर्शाई गई है तो नंदई, सिंगदई, हल्दी और मोहारा की कई दुकानें अतिक्रमण में बनी है यह कह दिया जाएगा। इससे आमजनों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने मंगलवार को टाउन एंड कंट्री प्लानिंग दफ्तर का घेराव किया और अधिकारियों से सवाल किए। लेकिन अधिकारियों ने संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया। मुदलियार ने कहा कि पूरे दस्तावेजों के साथ वे अधिकारियों से मिलने पहुंचे। लेकिन यह पूरा मामला मल्टीप्लेक्स संचालक को फायदा पहुंचाने वाला काम है। इसके कारण आम जनों को भविष्य में समस्या आएगी और उनका आशियाना और आजीविका दोनों चली जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के समक्ष दस्तावेज रखे गए, जिसमें पीडब्ल्यूडी ने रोड को 24 मीटर, राजस्व विभाग ने 30 मीटर दर्ज किया है। जबकि जो लाइसेंस जारी हुआ है उसमें 45 मीटर की रोड बताई गई है। पूरा कारनामा टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से हुई है, इस मामले में कार्रवाई होनी चाहिए। घेराव के दौरान रमेश राठौर, रूपेश दुबे, अशोक फड़नवीस, दिनेश शर्मा, अशोक पंजवानी, विनय झा, मनीष गौतम, रूपेश जोशी, ललित मरकाम व अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

एक ही दिन दो शव का अंतिम संस्कार, परिवार ने दूसरे की अस्थियों का किया विसर्जन, मचा हंगामा

शहर के चिखली और रामनगर में हुई थी मृत्यु, अस्थियां चुनने पहुंचे तो हुआ खुलासा

परिजनों ने मुक्तिधाम प्रबंधन पर लापरवाही का लगाया आरोप, होगी शिकायत

राजनांदगांव। संस्कारधानी मुक्तिधाम में मंगलवार को तब हंगामा मच गया, जब चौहान परिवार को पता चला कि उसके परिजन की अस्थियों को किसी दूसरे परिवार ने विसर्जित कर दिया। इसके बाद परिवार वालों का गुस्सा थमने का नाम नहीं लिया, वे गौशाला पिंजरा पोल की व्यवस्था पर भी बोले और दूसरे परिवार के लोगों पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। आखिर में परिवार ने मुक्तिधाम से अंतिम संस्कार के बाद बचे नाममात्र के अवशेषों को लेकर आगे की प्रक्रिया को पूरा किया। 22 मार्च को लखोली में रहने वाले प्रकाश सिंह चौहान के बेटे पंकज का निधन हो गया। देर शाम उसका अंतिम संस्कार लखोली स्थित मुक्तिधाम में किया गया। इसी दिन रामनगर में रहने वाले एक और शख्स की मृत्यु हुई थी, उसका शव दाह भी पंकज के शव के बाजू में किया गया। दो नंबर पंकज और तीसरे नंबर पर रागमनगर के शख्स का अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार को मृतक पंकज के परिजन मुक्तिधाम पहुंचे ताकि वे अस्थियों को संकलित कर प्रयागराज में उसका विसर्जन कर सके। लेकिन मौके पर पहुंचते ही उन्होंने देखा कि अस्थिया उठा ली गई है, इसके बाद वहां हड़कंप मच गया। मृतक के भाई राहुल चौहान ने बताया कि रजिस्टर चेक किया गया तो सामने आया कि नंबर तीन पर जिन्होंने अंतिम संस्कार किया था, वे अस्थियों को ले जाकर विसर्जित कर दिए है। इसके बाद परिजनों ने काफी हंगामा मचाया और व्यवस्था पर सवाल उठाए। राहुल ने कहा कि गौशाना पिंजरा पोल को इसके लिए व्यवस्था करना चाहिए, यह पहला मामला नहीं है जब ऐसा हुआ हो। इसके बाद भी इसे ठीक नहीं किया जा रहा है और लगातार ऐसा होता आ रहा है।

कलेक्टर से होगी शिकायत, गौशाला पिंजरा पोल पर आरोप

मृतक के पिता प्रकाश चौहान और भाई राहुल ने कहा कि यह मामला काफी संगीन है। व्यवस्था में लोच होने के कारण यह स्थिति बनी है। गौशाला पिंजरा पोल इसमें लापरवाह नजर आया है। इसलिए मामले की पूरी शिकायत कलेक्टर से की जाएगी। वहीं मामले में कार्रवाई की मांग की जाएगी। पहले भी ऐसे मामले सामने आए थे, जिसके बाद संचालकों को इस पर गौर करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके कारण ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। इस पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। ज्ञात हो कि महीने पहले इसी तरह एक शिक्षक परिवार के बहू की अस्थियां भी दूसरे परिवार के द्वारा विसर्जित कर दी गई थी। मामला पुलिस तक पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद उसे सुलझाया गया था।

जनगणना 2027: फील्ड ट्रेनर्स को दिया गया प्रशिक्षण, प्रथम चरण 25 मार्च तक और द्वितीय चरण 27 से 29 मार्च तक

दुर्ग। जिले में आगामी जनगणना 2027 की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में बीआईटी कॉलेज में फील्ड ट्रेनर्स के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में भिलाई क्षेत्र के नगर निगम भिलाई चरोदा, रिसाली एवं भिलाई नगर के कुल 36 फील्ड ट्रेनर्स को 23 मार्च से 25 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके बाद दूसरे चरण में नगर निगम दुर्ग सहित सभी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत एवं तहसीलों के 43 फील्ड ट्रेनर्स को 27 मार्च से 29 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। फील्ड ट्रेनर्स ही प्रगणक-पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण देंगे। प्रगणक-पर्यवेक्षक ही घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण व अन्य जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर हरेन्द्र सिंग भुवाल ने जनगणना की संरचना और विषय वस्तु पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी-पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और गणना का होगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में परिवारों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित करने के लिए किया जाएगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण के प्रत्येक बिंदु को गंभीरता से समझने को कहा, ताकि प्रगणक-पर्यवेक्षकों को सही और प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा सके। इस दौरान अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

होली मिलन व महिला सम्मान समारोह में सामाजिक एकजुटता की मिसाल

महापौर निर्मल कोसरे व सभापति कृष्णा चंद्राकर ने दिया सशक्त संदेश

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज (एबीयूएस) द्वारा आयोजित होली मिलन एवं महिला सम्मान समारोह रविवार को भिलाई-3 स्थित सेमरी के निधि रिसॉर्ट में हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक समरसता की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई-चरोदा निगम के महापौर निर्मल कोसरे ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षा, एकजुटता और आपसी सहयोग से ही संभव है। महिलाओं का सम्मान और उनका सशक्तिकरण किसी भी समाज के विकास का आधार है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निगम सभापति कृष्णा चंद्राकर ने कहा कि महिलाएं समाज की प्रेरणा शक्ति हैं। उनके योगदान को सम्मानित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस प्रकार के आयोजन समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजन को एक सकारात्मक पहल बताया। विशिष्ट अतिथियों में पार्षद तुषांत वर्मा, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपाल मेहता, भाजपा चरोदा मंडल अध्यक्ष गौरी शंकर एवं भाजपा नेता भोला साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। समाज के अध्यक्ष जेएम तांडी, महासचिव तरुण निहाल, कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली खेलकर आपसी भाईचारे और उत्सव की परंपरा को जीवंत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज को प्रेरित करने वाली महिलाओं – सीमा जंघेल, पिंकी साहू, जयंती महानंद, रिद्धी महानंद, अंजली तांडी, वर्षा चौहान, सुभद्रा विश्वार, अनु विश्वार, पुष्पा सोना, कस्तूरी राज तथा उत्कल मैरिज ब्यूरो की टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सुशासन की नई पहल से अब गांवों में ही होगा समस्याओं का निदान

दुर्ग। ग्रामीण प्रशासन को अधिक जनोन्मुख, पारदर्शी और संवेदनशील बनाने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस पहल के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में 'ग्रामीण सचिवालय' और जनपद पंचायत स्तर पर 'खण्ड सचिवालय' की स्थापना की जा रही है, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सके। यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2004 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप पुनः प्रभावी की गई है। ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाले ग्रामीण सचिवालय के लिए सप्ताह के विभिन्न दिन जैसे सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार निर्धारित किए गए हैं। इन सचिवालयों में 11 जिनमें ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, लाइनमेन, पंप मैकेनिक, सहकारिता समिति सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रधान पाठक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक शामिल हैं। इसी क्रम में जनपद स्तर पर खण्ड सचिवालय की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। जनपद पंचायत दुर्ग में खण्ड सचिवालय का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को जनपद पंचायत भवन दुर्ग में किया जाएगा। जनपद पंचायत धमधा के लिए प्रत्येक माह का प्रथम एवं तृतीय सोमवार निर्धारित किया गया है और इसका आयोजन जनपद पंचायत भवन धमधा में होगा। वहीं, जनपद पंचायत पाटन में यह आयोजन माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को जनपद पंचायत भवन पाटन में संपन्न होगा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2025-26 ऑनलाईन पंजीयन की तिथि में वृद्धि, 27 मार्च तक करें पंजीयन

दुर्ग। जिले में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अब विद्यार्थी 27 मार्च 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकते है। जिले में संचालित मान्यता प्राप्त समस्त शासकीय/अशासकीय विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक, आईटीआई में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं वे पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन पंजीयन, प्रस्ताव लॉक, स्वीकृति लॉक करने की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाईन कर सकते है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार 27 मार्च तक विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा, इसके बाद 29 मार्च तक संस्थाएं प्रपोजल लॉक कर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को भेजेंगी। 30 मार्च तक जिला कार्यालय द्वारा सेक्शन लॉक की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी, वहीं 31 मार्च तक राज्य कार्यालय को भुगतान हेतु प्रस्ताव भेज दिया जाएगा। निर्धारित तिथि के बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा और विलंब की स्थिति में जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख की होगी। छात्रवृत्ति के लिए पात्रता संबंधी प्रावधानों के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभिभावकों की वार्षिक आय सीमा 2 लाख रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

आयुक्त ने किया निरीक्षण,कचरा फैलाने वालों दुकानदारों और ठेला संचालकों पर लगेगा जुर्माना

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अधिकारियों की टीम के साथ वार्ड क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शहर के प्रमुख स्थानों राजेन्द्र पार्क चौपाटी, बस स्टैण्ड परिसर क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण और अव्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने राजेन्द्र पार्क चौपाटी में गंदगी फैलाने वालों पर तत्काल फाइन लगाने के निर्देश दिए। साथ ही वहां संचालित दुकानों के सामने लगे अतिरिक्त फ्लैक्स (2 नग) को हटाने की कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बस स्टैण्ड रायपुर द्वार क्षेत्र में ठेले संचालकों द्वारा कचरा फैलाने पर नाराजगी जताते हुए सभी पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बालाजी मोबाइल और पास की चाय दुकान पर भी गंदगी फैलाने के कारण फाइन करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान बी.एस.एन.एल. ऑफिस के पास एक टूटा हुआ पोल पाया गया, जिसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।वहीं नलधर कॉम्पलेक्स के सामने पानी के अत्यधिक बहाव को गंभीरता से लेते हुए वाल्व चेक कर समस्या का निराकरण करने को कहा गया। बस स्टैण्ड क्षेत्र में स्थित टायर दुकान संचालक को पुराने टायर दुकान के भीतर रखने के निर्देश दिए गए, साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर फाइन करने को कहा गया। इसी क्रम में रोशन होटल द्वारा पानी रोकने के लिए बनाए गए अवैध शेड को हटाने और जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने रफीक कम्प्यूटराइज्ड-की मेकर द्वारा पेड़ पर लगाए गए विज्ञापन को हटाने और संबंधित संचालक पर फाइन करने को भी कहा। बस स्टैण्ड राजनांदगांव द्वार पर एक फल विक्रेता को बार-बार समझाइश देने के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने पर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए उसकी दुकान को स्थायी रूप से हटाने के निर्देश दिए।

वैशाली नगर में विकास कार्यों की समीक्षा, आयुक्त ने दिए सुधार के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं सफाई कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेवर ब्लॉक, प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल, तालाब एवं नहर की सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने वैशाली नगर कॉलेज के सामने लगाए गए पेवर ब्लॉक का निरीक्षण करते हुए पाया कि समय के साथ कई स्थानों पर ब्लॉक उखड़ गए हैं। इस पर उन्होंने शीघ्र संधारण कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा बाबादीप सिंह नगर में प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने कहा कि क्षेत्र में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 22 घासीदास नगर स्थित शिव शक्ति तालाब एवं नहर में चल रहे सफाई कार्यों का भी जायजा लिया गया। आयुक्त ने साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी प्रशान्त तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित जोनल सुपरवाइजर एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com